संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 135
पृष्ठ 8
रविवार
02 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- केले के साथ मिलाकर ...
विचार- समान नागरिक संहिता.....
खेल- दिल्ली ने रेलवे को ....

12.75 लाख की कर योग्य आय पर कोई टैक्स नहीं

कृषि और निवेश को प्रोत्साहन,बिहार को सौगात

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2025–26 में मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देने के साथ ही अर्थव्यवस्था को गति देने वाले चार इंजनों कृषि, एमएसएमई, निवेश तथा निर्यात को विशेष प्रोत्साहन देने के उपाायों करते हुए बिहार के लिए कई घोषणायें की है। बजट में वित्त मंत्री ने 12.75 लाख रुपए तक की आय वाले करदाताओं और वेतनभोगियों के लिए शून्य कर के प्रावधान के साथ साथ किराये से प्राप्त पर आय और बुजुर्गों की ब्याज से आय पर टीडीएस की कटौती की सीमा बढ़ाने के उपाय किये हैं। उन्होंने एमएसएमई इकाईयों को नयी परिभाषा दी है जिसमें उनके निवेश और कारोबार की सीमा 2.5 गुना और दो गुना हो गयी है।

श्रीमती सीतारमण ने शनिवार को संसद में तेलुगु कवि और नाटककार गुरजादा अप्पा राव की प्रसिद्ध पंक्ति, –'एक देश सिर्फ उसकी मिट्टी नहीं हैय एक देश उसके लोग हैं'– को उद्धृत किया और सभी क्षेत्रों के संतुलित विकास को प्रोत्साहित करते हुए "सबका विकास" थीम के साथ केंद्रीय बजट 2025–26 पेश किया। वित्त वर्ष 2025–26 के लिए वित्त मंत्री ने कहा कि उधार के अलावा कुल प्राप्तियां और कुल व्यय क्रमशः 34.96 लाख करोड़ रुपये और 50.65 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। शुद्ध कर प्राप्तियाँ 28.37 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। चालू वित्त वर्ष में उधार के अलावा कुल प्राप्तियों का संशोधित अनुमान 31.47 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें से शुद्ध कर प्राप्तियां 25.57 लाख करोड़ रुपये हैं। कुल व्यय का संशोधित अनुमान 47.16 लाख करोड़ है, जिसमें से पूंजीगत व्यय लगभग 10.18 लाख करोड़ रुपये है। राजकोषीय घाटे का संशोधित अनुमान 2024–25 सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.8 प्रतिशत है जबकि बजट 2025–26 में जीडीपी का 4.4 प्रतिशत होने का अनुमान है।

राजकोषीय समेकन को जारी रखने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार हर साल राजकोषीय घाटे को इस तरह बनाए रखने का प्रयास करती है कि केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी के प्रतिशत के रूप में घटता रहे और इसके लिए अगले छह वर्षों के लिए विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया है।

वित्त मंत्री ने विकसित भारत के सिद्धांतों को रेखांकित किया, जिसमें शून्य गरीबी, सौ प्रतिशत अच्छी गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा, उच्च गुणवत्ता वाली, सस्ती और व्यापक स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच, सार्थक रोजगार के साथ सौ प्रतिशत कुशल श्रम, आर्थिक गतिविधियों में सत्तर प्रतिशत महिलाएँ और किसानों पर जोर दिया गया है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट 2025–2026 विकास को गति देने, समावेशी विकास को सुरक्षित करने, निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने, घरेलू भावनाओं को ऊपर उठाने और भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग की खर्च करने की शक्ति को बढ़ाने के लिए सरकार के प्रयासों को जारी रखने का वादा करता है। बजट में गरीब, युवा, किसान और महिला पर ध्यान केंद्रित करते हुए विकास उपायों का प्रस्ताव है। बजट का उद्देश्य भारत की विकास क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ाने के लिए कराधान, बिजली क्षेत्र, शहरी विकास, खनन, वित्तीय क्षेत्र और नियामक सुधारों में परिवर्तनकारी सुधार शुरू करना है। बजट में कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात को विकसित भारत की यात्रा में इंजन बताया गया है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और मांग, विकसित भारत की यात्रा के प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग भारत के विकास को ताकत देता है और सरकार ने उनके योगदान को मान्यता देते हुए समय–समय पर 'शून्य कर' स्लैब में बढ़ोतरी की है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित नई कर संरचना मध्यम वर्ग के हाथों में अधिक पैसा देकर उपभोग, बचत और निवेश को काफी बढ़ावा देगी। बजट में किये गये प्रस्ताव के तहत एक लाख रूपए तक मासिक औसत आय पर कोई आयकर नहीं लगेगा। इससे मध्यमवर्ग परिवारों की आय व खपत में वृद्धि होगी। वेतनभोगी करदाताओं को नई कर व्यवस्था में 12.75 लाख रुपए तक कोई आयकर नहीं देना होगा। बजट में किये गये इस प्रस्ताव से 24 लाख रुपये या उससे अधिक की वार्षिक आय वाले करदाताओं को 1.10 लाख रुपये की बचत होगी। हालांकि इससे सरकार का एक लाख करोड़ रुपये का राजस्व कम हो जायेगा। उन्होंने कहा कि बजट में राज्यों के साथ साझेदारी में देश के 100 जिलों में 1.7 करोड़ किसानों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से 'प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना' की घोषणा की गई है, जिसके अंतर्गत 100 जिलों को शामिल किया जाएगा, ताकि उत्पादकता बढ़ाई जा सके, फसल विविधीकरण को अपनाया जा सके, कटाई के बाद भंडारण को बढ़ाया जा सके, सिंचाई सुविधाओं में सुधार किया जा सके और दीर्घकालिक तथा अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता को सुगम बनाया जा सके। कौशल, निवेश, प्रौद्योगिकी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के माध्यम से कृषि में अल्प रोजगार की समस्या दूर करने के लिए राज्यों के साथ साझेदारी में एक व्यापक बहु–क्षेत्रीय 'ग्रामीण समृद्धि और लचीलापन' कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसका लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त अवसर पैदा करने के लिए, ग्रामीण महिलाओं, युवा किसानों, ग्रामीण युवाओं, सीमांत और छोटे किसानों और भूमिहीन परिवारों पर ध्यान केंद्रित करने का है। वित्त मंत्री ने घोषणा की कि सरकार अरहर, उड़द और मसूर पर विशेष ध्यान देते हुए छह वर्षीय "दलहन आत्मनिर्भरता मिशन" शुरू करेगी। केंद्रीय एजेंसियां घ्घ्(नेफेड और एनसीसीएफ) किसानों से अगले चार वर्षों के दौरान जितनी भी दालें पैदा होंगी, उन्हें खरीदने के लिए तैयार रहेंगी। बजट में सब्जियों और फलों के लिए व्यापक कार्यक्रम, उच्च उपज वाले बीजों पर राष्ट्रीय मिशन और कपास उत्पादकता के लिए पांच वर्षीय मिशन जैसे उपायों की रूपरेखा तैयार की गई है।

आम बजट से किसानों, युवाओं, महिलाओं, श्रमिकों सहित हर वर्ग की आकांक्षाएं होंगी पूरी- मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले बजट को आम नागरिकों को समर्पित बताते हुए कहा कि इस बजट से किसानों, युवाओं, महिलाओं, श्रमिकों सहित हर वर्ग की आकांक्षाएं पूरी होंगी और देश की विकास यात्रा भी तेज होगी। श्री मोदी ने आम बजट 2025–26 पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, "आज भारत के विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। ये 140 करोड़ भारतीयों के आकांक्षाओं का बजट है, ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करने वाला बजट है।" उन्होंने कहा कि हमने कई सेक्टर युवाओं के लिए खोल दिए हैं। ये विकसित भारत घ्के मिशन को ड्राइव करने वाला है, ये बजट प्रगति को कई गुना बढ़ाने वाला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आमतौर पर बजट का फोकस इस बात पर रहता है कि सरकार का खजाना कैसे भरेगा, लेकिन ये बजट उससे बिलकुल उल्टा है। ये बजट, देश के नागरिकों की जेब कैसे भरेगा, देश के नागरिकों की बचत कैसे बढ़ेगी और देश के नागरिक विकास के भागीदार कैसे बनेंगे।ये बजट इसकी एक बहुत मजबूत नींव रखता है। श्री मोदी ने कहा कि आज देश शविकास भी, विरासत भीश के मंत्र को लेकर चल रहा है। इस बजट में इसके लिए बहुत महत्वपूर्ण और ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस बजट में एक करोड़ पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए श्ज्ञान भारत मिशनश को शुरू किया गया है। सुधारों के संदर्भ में इस बजट में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा में निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करना ऐतिहासिक है। यह देश के विकास में असैन्य परमाणु ऊर्जा का बड़ा योगदान सुनिश्चित करेगा। इसके अलावा बुनियादी ढांचे के लिए आवंटन से देश में बड़े जहाजों के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, यह आत्मनिर्भर पहल को तेज करेगा।

हमेशा पीएम मोदी के दिल में रहता है मध्यम वर्ग, इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव पर बोले अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज केंद्रीय बजट 2025 में कर कटौती की सराहना करते हुए कहा कि मध्यम वर्ग हमेशा पीएम मोदी के दिल में है। 12 लाख रुपये की वार्षिक आय वाले लोगों को पूरी छूट देने वाले टैक्स ब्रैकेट में बदलाव की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि यह मध्यम वर्ग की वित्तीय भलाई को बढ़ाने की दिशा में एक लंबा रास्ता तय करेगा। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, ष्इस अवसर पर सभी लाभार्थियों को बधाई। शाह ने लिखा कि 12 लाख रुपये की आय तक शून्य आयकर। प्रस्तावित कर छूट मध्यम वर्ग की वित्तीय भलाई को बढ़ाने में काफी मदद करेगी। इस अवसर पर सभी लाभार्थियों को बधाई। उन्होंने कहा कि बजट–2025 विकसित और हर क्षेत्र में श्रेष्ठ भारत के निर्माण की दिशा में मोदी सरकार की दूरदर्शिता का ब्लूप्रिंट है। किसान, गरीब, मध्यम वर्ग, महिला और बच्चों की शिक्षा, पोषण व स्वास्थ्य से लेकर स्टार्ट अप, इनोवेशन और निवेश तक, हर क्षेत्र को समाहित करता यह बजट मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत का रोडमैप है।

गृह मंत्री ने कहा कि विकसित भारत बजट 2025 किसान कल्याण की दिशा में मोदी सरकार के संकल्प का प्रतिबिंब है। बजट में 100 सबसे कम फसल उत्पादकता वाले जिलों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना की घोषणा से लगभग 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। साथ ही, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन व कपास उत्पादकता मिशन से किसानों की समृद्धि व पोषण सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बजट–2025 में मोदी सरकार ने बिहारवासियों को महत्त्वपूर्ण उपहार दिए हैं। बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना, मिथिलांचल में वेस्टर्न कोशी नहर परियोजना, प्प्ज् पटना का विस्तार, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान और ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट संबंधी निर्णयों से आने वाले समय में बिहार शिक्षा, व्यापार, कनेक्टिविटी, किसान कल्याण और रोजगार का केंद्र बनने वाला है।

एससी-एसटी एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने क्या नया फैसला ले लिया

नई दिल्ली। भारतीय समाज में कहा गया है कि जाति एक विशेषता है और जाति आधार पर विभिन्न चीजों का बंटवारा किया गया है। आरक्षण की भी जब आप बात करेंगे तो देखेंगे कि जाति को ही आधार में रखा गया। उसके तहत कुछ जातियां ऐसी बताई गईं, जिन्हें समाज में वो स्थान नहीं मिला जो कि किसी भी मानव को मिलना चाहिए था। मानवीय तौर पर भी उनके साथ भेदभाव किए गए। इस तरह के प्रावधन जैसे ऑफर्मेटिब एक्शन, जिसमें आरक्षण की भी बात कही गई। बहुत तरह के कानूनी प्रावधान भी किए गए। ताकी इनके लिए सामाजिक स्थिति को बेहतर किया जा सके। एससी और एसटी समुदाय यानी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को कानूनी संरक्षण दिया गया। इन्हें कोई अपमानित करने की कोशिश करे तो ये कानून की शरण में जा सके। वहां जाकर एफआईआर कर सके। अपनी बातों को दर्ज करा सके। ऐसे में एससीएसटी एक्ट को लेकर समय समय पर बहुत तरह की बातें सामने आती रहती हैं। कहा जाता है कि इसका दुरुपयोग हो रहा है। कहा जाता है कि झूठे मुकदमे इसके अंतर्गत दर्ज कराए जाते हैं। इसको लेकर तरह तरह की चर्चा हमेशा से रही है। अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 यानी ैब्ध्ैज् ऐक्ट) के तहत दर्ज एक मामले को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि कथित घटना लोगों के सामने में नहीं हुई थी। जस्टिस वीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि ैब्ध्ैज् ऐक्ट की धारा 3(1)(त) के तहत अपराध सावित करने के लिए यह आवश्यक है कि आरोपी ने किसी ैब् या ैज् सदस्य का जानबूझकर अपमान या धमकी दी हो, वह भी सार्वजनिक तौर पर हुआ हो यानी लोगों के सामने यह घटित हुआ हो। इसके अलावा, धारा 3(1)() के तहत अपराध सिद्ध करने के लिए यह आवश्यक है कि आरोपी ने पीड़ित को जातिसूचक शब्दों से गलत भाषा का प्रयोग किया हो और घटना सार्वजनिक तौर पर हुई हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि चूंकि मामला ऐसे स्थान पर नहीं हुई जिसे पब्लिक व्यू में कहा जा सके, इसलिए यह मामला ैब्ध्ैज् ऐक्ट की धारा 3(1)(त) या धारा 3(1)() के तहत अपराध की श्रेणी में नहीं आता। सुप्रीम कोर्ट ने थ्प्त् का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि घटना शिकायतकर्ता के चेंबर (कार्यालय) के अंदर हुई, और उसके अन्य सहकर्मी घटना के बाद वहां पहुंचे। शीर्ष अदालत ने मद्रास हाई कोर्ट के फरवरी 2024 के आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर फैसला सुनाया। हाई कोर्ट ने आरोपी की उस याचिका को खारिज कर दिया था

शंकराचार्य प्रामाणिक होने चाहिए, सपाई, बसपाई और भाजपाई नहीं

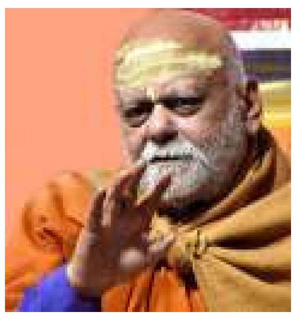

प्रयागराज। विदेश में एक आतंकवादी को पुरी का नकली शंकराचार्य बनाकर घुमाया गया, आरएसएस के कार्यालय में ठहराया गया। शासनतंत्र का अराजकतत्वों को संरक्षण प्राप्त है। शंकराचार्य प्रामाणिक होने चाहिए, सपाई, बसपाई और भाजपाई नहीं। सबको पुरी के शंकराचार्य से डर लगता है। मैं किसी को डराता नहीं हूं। व्यास पीठ का कोई भी आचार्य हो, शासन तंत्र का अनुगामी बने, नहीं तो हम रहने नहीं देंगे। यह कहना है गोवर्धनमठ पुरी के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती का। शंकराचार्य से बात की नीलम सिंह ने.....महाकुंभ नगर। सीएम योगी का इस्तीफा मांगने के बाद ज्योतिष्पीठाधीश्वर अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को लेकर फिर से विवाद शुरू हो गया है। इस पर गोवर्धनमठ पुरी के शंकराचार्य ने कहा कि अंग्रेजों और मुसलमानों ने लंबे समय तक भारत पर शासन किया। लेकिन, आतंकवादी को शंकराचार्य नहीं बनाया। अब तो जगद्गुरुओं और नकली शंकराचार्यों की भरमार है। मॉरीशस आदि में एक आतंकवादी को पुरी का नकली शंकराचार्य बनाकर घुमाया गया, आरएसएस के कार्यालय में ठहराया गया। मैं किसी को डराता नहीं हूं। व्यास पीठ का कोई भी आचार्य हो, शासन तंत्र का अनुगामी बने, नहीं तो हम रहने नहीं देंगे। परंपरा प्राप्त शंकराचार्य होने चाहिए, जिनका कोई व्यक्ति अनुगमन करे तो धर्म लाभ प्राप्त कर सके। मुझे एक करोड़ आतंकवादी और अराजकतत्व घेरेंगे, तब भी डर नहीं है। पिछले दिनों गृहमंत्री अमित शाह मेरे पास आए थे। जब मैंने इस विषय पर बात की तो उन्होंने कहा कि आपके पास ही तो आता हूं। मैंने कहा कि नकली को खड़ा करते हो और कहते हो कि मेरे पास ही आते हो। यह कूटनीति है। हमें बुलाया ही नहीं गया था। मनुस्मृति के संविधान को यमराज भी मानते हैं। संविधान ऐसा होना चाहिए, जो लोक और परिलोक में क्रियान्वित हो। परंपरानुसार शंकराचार्य होने चाहिए। यदि ये मुद्दे धर्म संसद में उठे हैं तो हमने खंडन भी नहीं किया। शंकराचार्य अपने दायित्वों का निर्वहन करें तो इसकी आवश्यकता क्या है। ऐसी कौन सी समस्या है, जिसका समाधान हम लोगों के यहां नहीं हो सकता है। विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ मिलकर मैंने कई समस्याएं सुलझाई हैं। लेकिन, अलग से लकीर खींचने का चलन हो गया है। हमारी उपेक्षा की गई। फिर भी मैं मुस्कुराता रहता हूं। वहीं, नकली शंकराचार्य अपनी थाती के लिए पैसा बनाते हैं या खुद को पूजवाने की भावना ज्यादा रखते हैं। गंगा के उद्गम स्थान को विलुप्त कर दिया गया है। मैंने हेलिकॉप्टर से जाकर देखा तो नालों का पानी भी इसी में गिर रहा है। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने गंगा को राष्ट्रीय नदी तो घोषित कर दिया, लेकिन गंदे नाले का गिरना बंद नहीं हुआ। बेगूसराय में शहर के पानी से गंगा के तट पर खाद तैयार किया जाता है और वहां पर पौधे लगाए जाते हैं। उसे गंगा में नहीं डाला जाता। गंगा स्नान की विधा का पालन नहीं किया जा रहा है। अमृत स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालु सतर्क और संयमित रहें। व्यवस्था की विफलता के कारण हादसा हुआ। केवल घोषणा से आदमी नियंत्रित हो जाएगा, ऐसा सोचा गया था। सीएम ने दुख व्यक्त किया, रोने लग गए। भावुकता के वशीभूत होकर अध्यात्म में मनोरंजन का अतिक्रमण न करें। दुर्घटना न हो, इसके लिए सावधान होने की आवश्यकता है। मैं शंकराचार्य हूं। मैंने मौनी अमावस्या पर संगम में स्नान किया, ताकि मेरे कार्य की वजह से कोई घटना न हो। अमृत स्नान में संतों ने विवेकपूर्ण तरीके से स्वयं को रोककर रखा, ताकि उपद्रव न हो। घटना की सूचना के बावजूद जनता ने धैर्य का परिचय देते हुए स्नान किया। यह हिंदुओं की स्थिति है कि श्रद्धा में कमी नहीं आई। ईश्वर पीड़ित परिजनों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

12 सेकंड में गई थीं 23 जानें, हादसे के वीडियो से खुलासा, पोल नंबर 12 के पास बेकाबू हुई भीड़

प्रयागराज। मौनी अमावस्या की रात संगम घाट पर हुए हादसे में महज 12 सेकंड के भीतर 23 जानें चली गई थीं। घाट पर पोल नंबर 12 के पास बदहवास होकर भीड़ भागी थी और इसी दौरान चपेट में आए 90 लोग जख्मी हो गए थे। घटना का वीडियो सामने आने के बाद यह खुलासा हुआ है। एक मिनट दो सेकेंड का यह वीडियो 29 जनवरी की रात 1:10 बजे का

बताया जा रहा है। वीडियो शुरू होते ही लाखों लोगों की भीड़ संगम नोज की ओर भागती नजर आती है। करीब 12 सेकंड तक लोग बदहवास हाल में एक दूसरे के पीछे दौड़ते नजर आते हैं। इसके बाद भीड़ की रफ्तार धीमी हो जाती है। कहा जा रहा है कि यही 12 सेकंड थे जिसमें भीड़ की चपेट में आने से 23 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। वीडियो के 18वें सेकंड में संगम घाट पर लगा पोल नंबर 12 भी नजर आता है। इसके साथ ही कुछ देर बाद चीखें भी सुनाई देती हैं। वीडियो में यह तो नजर नहीं आता कि चीखने वाला कौन है, लेकिन आवाज सुनने से यही लगता है कि यह कुछ महिलाओं के चीखने की आवाज है। फिलहाल अधिकारी ऐसे किसी वीडियो के बारे में जानकारी होने से इन्कार कर रहे हैं। उधर, एक महिला सिपाही का भी वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में वह घटनास्थल पर खड़ी नजर आ रही है और उच्चाधिकारियों से फोर्स की डिमांड कर रही है। वीडियो में वह कहती नजर आ रही है कि यहां कंडीशन बहुत खराब है। हालत बिगड़ती जा रही है,।

आज से पांच फरवरी तक सभी स्टेशनों पर एकल दिशा प्रवेश, आश्रय स्थल से ही यात्रियों को मिलेगा प्रवेश

प्रयागराज। महाकुंभ के तृतीय अमृत स्नान पर्व वसंत पंचमी के मौके पर प्रयागराज शहर के सभी रेलवे स्टेशनों पर अगले चार दिन तक यात्रियों को एकल दिशा प्रवेश ही होगा। रविवार दो फरवरी से पांच फरवरी की रात 12 बजे तक प्रयागराज जंक्शन, छिवकी, नैनी, सूबेदारगंज, प्रयाग, रामबाग आदि रेलवे स्टेशनों पर एक साइड से प्रवेश तो दूसरी तरफ से यात्रियों की निकासी होगी। इस अवधि में रेलवे स्टेशनों पर बने यात्री आश्रय स्थल से ही यात्रियों को प्रवेश दिया जाएगा। इस बीच मौनी अमावस्या के मौके पर लागू किया गया एकल दिशा प्रवेश में शनिवार को 24 घंटे की छूट दे दी गई। इससे यात्रियों को राहत भी मिली। रेलवे स्टेशनों पर शनिवार को दोनों ओर से यात्रियों की आवाजाही चार दिन बाद हुई। हालांकि रात 12 बजे के बाद सभी स्टेशनों पर पूर्व की भांति तमाम बंदिशें लगा दी गईं। उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों का क्रॉस मूवमेंट न हो इसी वजह से एकल दिशा प्रवेश की व्यवस्था दो फरवरी से पांच फरवरी तक लागू रहेगी। प्रयागराज जंक्शन रू यात्रियों का प्रवेश केवल सिटी साइड (प्लेटफार्म नंबर–1 की ओर) से दिया जाएगा। निकासी सिविल लाइंस साइड की ओर से होगी। आरक्षित श्रेणी के यात्रियों को सिटी साइड स्थित गेट नंबर पांच से प्रवेश दिया जाएगा। प्रयागराज छिवकी रू यहां यात्रियों का प्रवेश प्रयागराज–मिर्जापुर राजमार्ग को जोड़ने वाले सीओडी मार्ग से दिया जाएगा। यात्रियों की निकासी जीईसी नैनी रोड (प्रथम प्रवेश द्वार) की ओर से दिया जाएगा। साथ ही आरक्षित यात्रियों को गेट नंबर दो से प्रवेश दिया जाएगा। नैनी जंक्शन रू यहां यात्रियों का प्रवेश स्टेशन रोड से और निकास मालगोदाम की ओर (द्वितीय प्रवेश द्वार) से दिया जाएगा। आरक्षित श्रेणी के यात्रियों को गेट नंबर दो से प्रवेश दिया जाएगा। सूबेदारगंज स्टेशन रू स्टेशन पर यात्रियों का प्रवेश झलवा (कौशाम्बी रोड) की ओर से और निकास जीटी रोड सुलेमसराय की ओर दिया जाएगा। यहां आरक्षित श्रेणी के यात्रियों को गेट नंबर तीन से प्रवेश दिया जाएगा। फाफामऊ स्टेशन रू स्टेशन पर यात्रियों का प्रवेश प्लेटफॉर्म नंबर चार की ओर से और निकास एक नंबर गेट की ओर से बनारस रोड की ओर दिया जाएगा। आरक्षित यात्रियों के लिए भी प्रवेश गेट नंबर चार नंबर की ओर होगा। प्रयाग स्टेशन रू यहां प्रवेश विश्वविद्यालय रोड की ओर से दिया जाएगा। निकास रामप्रिया रोड की ओर दिया जाएगा।

वसंत पंचमी के लिए बढ़ाई फोर्स, सात पुलिस अफसर भी बुलाए, सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त

प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर हुए हादसे को देखते हुए अब अगले स्नान पर्व वसंत पंचमी के मद्देनजर महाकुंभ मेला क्षेत्र में फोर्स बढ़ा दी गई है। लगभग 200 और पुलिसकर्मियों की तैनाती मेला क्षेत्र में की गई है। अफसरों का कहना है कि इन जवानों की तैनाती भीड़ के लिहाज से नए संवेदनशील चिह्नित किए गए प्वाइंटों पर होगी। डीआईजी मेला वैभव कृष्ण ने बताया कि वसंत पंचमी पर्व के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। इस बात का पूरा ख्याल रखा जा रहा है कि श्रद्धालुओं के आने और जाने का मार्ग अलग–अलग हो और इसका कड़ाई से पालन कराया जाएगा। संगम घाट के सर्कुलेटिंग एरिया में किसी को भी ठहरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। श्रद्धालुओं को स्नान करने के बाद तुरंत गंतव्य की ओर रवाना किया जाएगा। भीड़ के लिहाज से कुछ नए संवेदनशील प्वाइंट चिह्नित किए गए हैं। इन पर अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की जाएगी। मौनी अमावस्या हादसे के बाद संगम लोअर मार्ग से संगम घाट जाने वाली रास्ते पर चौकसी बढ़ा

दी गई है। संगम द्वार चौराहे के पास चारों तरफ बैरिकेडिंग की गई है। यहां किसी को खड़े होने की भी अनुमति नहीं है। इस चौराहे से किसी भी प्रकार के वाहन के आगे जाने पर रोक है। इसके अलावा यहां रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों की अतिरिक्त टुकड़ी भी तैनात की गई है। शुक्रवार को सुबह से ही यहां आरएएफ के जवान गश्त करते रहे। इसके साथ ही घुड़सवार पुलिस के भी चार पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। शासन की ओर से पुलिस के सात राजपत्रित अधिकारियों की तैनाती महाकुंभ मेला क्षेत्र में की गई है। इनमें चार एसपी और तीन एडिशनल एसपी स्तर के अधिकारी हैं। इस सूची में एसपी दीपेंद्र नाथ चौधरी, लक्ष्मी निवास मिश्र, राजधारी चौरसिया, श्रवण कुमार सिंह, एडिशनल एसपी विकास चंद्र त्रिपाठी, ओम प्रकाश सिंह व प्रवीण कुमार यादव शामिल हैं। दीपेंद्र नाथ चौधरी प्रयागराज में लंबे समय तक एडिशनल एसपी यमुनापार के पद पर तैनात रहे हैं और माघ मेले के साथ 2019 कुंभ में भी सेवाएं दे चुके हैं। मौनी अमावस्या हादसे के बाद महाकुंभ मेला क्षेत्र में पुलिस अफसरों की तैनाती को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन अधिकारियों को न सिर्फ माघ मेला, बल्कि अर्ध कुंभ जैसे आयोजनों का भी अनुभव था, उन्हें क्यों नजरअंदाज किया गया। इसके अलावा ऐसे कई एडिशनल एसपी और डिप्टी एसपी की तैनाती कर दी गई, जिन्होंने अब तक माघ मेला भी नहीं कराया है। मकर संक्रांति का पर्व बीतने के बाद दो एडिशनल एसपी स्तर के अधिकारियों को महाकुंभ में बुलाया गया। यह दोनों अधिकारी कई बार माघ मेले के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। इसी तरह चार बार माघ मेले का सफल आयोजन करने वाले डीआईजी राजीव नारायण मिश्रा को महाकुंभ मेले में तैनाती न दिया जाना भी बेहद हैरान करने वाला निर्णय था। महाकुंभ से ठीक पहले तत्कालीन पुलिस आयुक्त रमित शर्मा, जो 2019 अर्ध कुंभ की परिकल्पना के सूत्रधार थे, का तबादला भी बेहद चौंकाने वाला था।

अवैध टेंट सिटी में आग की 24 घंटे बाद भी नहीं शुरू हो सकी जांच, पुलिस को शिकायत मिलने का इंतजार

प्रयागराज। महाकुंभ से सटे छतनाग गांव के किनारे अवैध रूप से बनी टेंट सिटी जस्ट ए शिविर की 15 लग्जरी कॉटेज राख हो जाने की 24 घंटे बाद भी जांच शुरू नहीं हो सकी है। यह टेंट सिटी ढाई महीने से बनाई जा रही थी, लेकिन सीएम योगी के सख्त निर्देशों के बावजूद अधिकारी चुप्पी साधे रहे। हैरतअंगेज यह भी कि अवैधा होने की पोल खुलने के बाद भी मेला और फूलपुर एसडीएम कार्रवाई से पल्ला झाड़ रहे हैं। बृहस्पतिवार को आग लगने की घटना के बावजूद जस्ट ए शिविर नाम वाली इस टेंट सिटी में देसी–विदेशी 130 लोग ठहरे हुए हैं। इसकी पुष्टि शिविर के लिए कॉटेज बुक करने वाले एग्जीक्यूटिव राधेश्याम ने की। उन्होंने कंपनी की देशभर में 25 संपत्तियां होने की तो जानकारी दी, लेकिन इस टेंट सिटी के लिए प्रशासन या मेला प्रशासन से अनुमति को लेकर कुछ स्पष्ट नहीं कर सके। मेला के सेक्टर–22 से कुछ दूर कछार पर बसी इस टेंट सिटी को लेकर छतनाग के लोग बताते हैं कि नवंबर–2024 से ही यहां ट्रैक्टर लगाकर काम शुरू कराया गया था। करीब 20 बीघा जमीन समतल कराई गई। करीब दो महीने टेंट सिटी बसाने में लगे। यह कॉटेज विदेशी, एनआरआई और सुविधाओं की चाह रखने वालों को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। गीजर से लेकर अन्य सभी जरूरी सुख–सुविधाएं हैं। वेबसाइट के जरिये मोबाइल फोन और मेल से इनकी बुकिंग की जा रही है। कच्चे रास्तों वाले इस वीराने में भी प्रति कॉटेज में ठहरने की कीमत 25 से 35 हजार तक है। श्रद्धालुओं को यहां से संगम तक लाने–ले जाने के लिए एक दर्जन गाड़ियां भी रखी गई हैं। टेंट सिटी के मुख्य द्वार पर श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा और श्री मूंछ वाले हनुमान मंदिर आश्रम, चौकाघाट, वाराणसी का नाम दर्ज है। गेट पर दाहिनी ओर जूना अखाड़े की महामंडलेश्वर साध्वी मुक्तेश्वरी गिरि और बायीं ओर अखाड़े के सभापति महंत प्रेम गिरि व श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी अविमुक्तानंद गिरि की परिचय के साथ तस्वीरें लगी हैं। टेंट सिटी की वेबसाइट पर भी इन संतों के साथ देसी–विदेशी श्रद्धालुओं के सत्संग और स्नान आदि की तस्वीरें हैं। बृहस्पतिवार को यहां 15 कॉटेज जल जाने की घटना के बाद झूंसी पुलिस ने बताया कि यह टेंट सिटी अवैध है।

इसे बसाने की किसी ने अनुमति नहीं दी। छतनाग गांव मेला का ही हिस्सा है। लेकिन, मेला के सेक्टर–22 के मजिस्ट्रेट पीनाक मणि द्विवेदी का दावा है कि अवैध रूप से बनाई गई टेंट सिटी का मेला प्रशासन से कोई लेना–देना नहीं है। यह सेक्टर–22 से छह किलोमीटर दूर है। इसका प्रशासन फूलपुर तहसील के पास है। फूलपुर एसडीएम दिग्विजय सिंह कहते हैं कि टेंट सिटी का दायित्व तो मेला प्रशासन का है। यह कैसे बस गई, जांच का विषय है। अभी तक जांच क्यों नहीं शुरू कराई, इस सवाल पर वह चुप हो गए। वहीं, एसओ झूंसी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि अवैधा टेंट सिटी को लेकर कोई तहरीर नहीं मिली है।

यूपी बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाएं आज से, 19481 परीक्षक लगे, एप के माध्यम से अपलोड होंगे अंक

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की वर्ष 2025 की इंटरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षाएं एक फरवरी से शुरू होने जा रही हैं। दो चरणों में मंडलवार होने वाली परीक्षाओं के लिए 19481 परीक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षा में पारदर्शिता के लिए यूपी बोर्ड ने तमाम इंतजाम किए हैं। परीक्षक पहली बार ऐप के माध्यम से अंक अपलोड करेंगे। दो चरणों में कुल 53 विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षाएं होनी हैं। एक से आठ फरवरी तक पहले चरण में अलीगढ़, मेरठ, मुरादाबाद, कानपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी व गोरखपुर और नौ से 16 फरवरी तक आगरा, सहारनपुर, बरेली, लखनऊ, झांसी, चित्रकूट, अयोध्या, आजमगढ़, देवीपाटन व बस्ती मंडल के जिलों में प्रयोगात्मक परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। पहले चरण की प्रयोगात्मक परीक्षाओं के लिए 9977 व दूसरे चरण के लिए 9504 परीक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षकों को ऐप के माध्यम से पोर्टल पर अंक अपलोड करने होंगे। खास यह कि परीक्षकों को केंद्र में जाना ही होगा। क्योंकि, परीक्षा केंद्र से 200 मीटर से अधिक दूरी पर ऐप काम नहीं करेगा। यूपी बोर्ड की ओर से परीक्षकों को परीक्षा संबंधी आवश्यक प्रपत्र पहले ही उपलब्ध कराए जा चुके हैं। बाह्य परीक्षकों को मोबाइल ऐप के उपयोग से जियो लाकेशनयुक्त फोटो अपलोड करने होंगे और परीक्षा वाले दिन ही पोर्टल पर प्रयोगात्मक परीक्षा के अंक अपलोड करने होंगे। आंतरिक परीक्षकों को भी अपने विद्यालय की लॉगइन आईडी से माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर प्रयोगात्मक परीक्षा के अंक उसी दिन अनिवार्य रूप से अपलोड करने होंगे। भौतिक विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए 1650482 व रसायन विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए 1650937 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। वहीं, जीव विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए 1249485 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। भूगोल की परीक्षा के लिए 358731, होमसाइंस के लिए 267394, कंप्यूटर के लिए 18512 छात्र–छात्राएं पंजीकृत हैं। सबसे कम पांच परीक्षार्थी डांसिंग की प्रयोगात्मक परीक्षा में शामिल होंगे। इसके अलावा मिलिट्री साइंस की प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए 5664, एग्रोनॉमी फर्स्ट के लिए 14267, एग्रीकल्चर बॉटनी के लिए 14267, एग्रीकल्चर फिजिक्स एंड क्लाइमेट के लिए 14609, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग के लिए 13925, एग्रोनॉमी सिक्स के लिए 12344, एग्रीकल्चर जूलॉजी के लिए 12344, एनिमल हसबैंड्री के लिए 12344, एग्रीकल्चर केमिस्ट्री के लिए 12344, म्यूजिक वोकल की प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए 6034 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से प्रत्येक जनपद में प्रयोगात्मक परीक्षा आयोजित कराने वाले विद्यालयों के सापेक्ष रैंडम आधार पर पांच फीसदी विद्यालयों का ऑडिट कराया जाएगा। इसमें किसी प्रतिकूल तथ्य या अनियमितता प्रकाश में आने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। राजकीय विद्यालय में संसाधनों के अभाव के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) स्वयं उत्तरदायी होंगे। वहीं, अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों में संसाधनों की कमी होने पर डीआईओएस संबंधित विद्यालय के प्रबंधक व प्रधानाचार्य के विरुद्ध सख्त कारवाई सुनिश्चित करेंगे।

118 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल महाकुंभ को देख हुआ अभिभूत, राजदूतों ने खुद को बताया सौभाग्यशाली

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 में शनिवार को विभिन्न देशों के राजनयिकों व विदेशी अतिथियों का आगमन हुआ। महाकुंभ पहुंचे 77 देशों के मिशन प्रमुखों (एचओएम), एचओएम के जीवनसाथी और राजनयिकों सहित 118 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दिव्य–भव्य, नव्य महाकुंभ को देख अभिभूत हो उठा। इन अतिथियों ने कहा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति व धरोहर को दर्शाता है। प्रयागराज पहुंचकर इन लोगों ने खुद को सौभाग्यशाली बताया। इन अतिथियों ने योगी सरकार व विदेश मंत्रालय द्वारा राजनयिकों के लिए इस यात्रा की व्यवस्था पर खुशी भी जताई। वहीं, प्रयागराज पहुंचने पर अतिथियों का स्वागत किया गया। मुझे बहुत खुशी है कि राज्य सरकार और विदेश मंत्रालय राजनयिकों के लिए इस यात्रा की व्यवस्था कर रहा है। महाकुंभ मेला बहुत ही खास आयोजन है, खासकर इस साल। इसलिए मैं हिंदू संस्कृति को समझने के लिए वहां जाने को उत्सुक हूं।श – केइची ओनो, भारत में जापान के राजदूत मैं इस महत्वपूर्ण समारोह में भाग लेकर प्रसन्न हूं। यहां की परंपराओं का पालन करके बहुत खुशी भी हो रही है।श – मारियानो काउचिनो, भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मैं कई वर्षों से भारत से जुड़ी हुई हूं। मैं हमेशा यहां आना चाहती थी, लेकिन कभी भी किसी कुम्भ में जाने का अवसर नहीं मिला। आज यह खास और शुभ महाकुम्भ का समय है, यह सौभाग्य है कि मैं भारत में हूं। मैं यहां के वातावरण का आनंद लूंगी। यह दृश्य मेरी आँखों और आत्मा के लिए गौरवान्वित करने वाला है। मैं यहां पवित्र स्नान करूंगी। यह निश्चित रूप से भारतीय धरोहर और संस्कृति को दर्शाता है, जिस पर गर्व होना चाहिए।

एक दिन मरना सबको है, जो मरे उन्हें मिल गया मोक्ष, धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर सोशल मीडिया में उबाल

प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर हुए हादसे में जान गंवाने वालों को लेकर बागेश्वर धाम के आचार्य धीरेंद्र शास्त्री की ओर से दिए गए बयान पर विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वह कह रहे हैं कि मरना तो एक दिन सबको है और जो यहां मरे उन्हें मोक्ष प्राप्त हो गया। उनके इस बयान पर दर्जनों

सोशल मीडिया यूजरों ने कड़ी आपत्ति जताई। उधर, ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने किसी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन इस तरह के बयान पर नाराजगी जताई है। धीरेंद्र शास्त्री का मौनी अमावस्या हादसे को लेकर दिए गए बयान से संबंधित वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद उनके बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया। दर्जनों सोशल मीडिया यूजरों ने इसे लेकर कड़ी आपत्ति जताई। इसे लेकर तरह–तरह के कमेंट भी किए। उधर, ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि अगर ऐसा कहने वाले तैयार हों तो उनका ही मोक्ष कर दिया जाए। जिस तरह से लोगों की जान गई, वह बेहद दुखद है।

मुख्य सचिव की नाराजगी के बाद श्रद्धालु की शिकायत पर केस दर्ज, सफाई वाहन ने मार दी थी टक्कर

प्रयागराज। दिल्ली से संगम स्नान करने आए श्रद्धालु जितेंद्र चौहान को साफ–सफाई वाहन ने भारद्वाज चौराहे के पास टक्कर मार दी, जिससे उसका पैर टूट गया। केस दर्ज करने में पुलिस ने टाल–मटोल किया तो पीड़ित ने मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से इंसाफ की गुहार लगाई। इस पर मुख्य सचिव ने पुलिस से नाराजगी जताते हुए मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया। इसके बाद कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। नई दिल्ली विकास नगर के रहने वाले अविनाश कुमार अपने चार दोस्तों के साथ महाकुंभ में संगम स्नान के लिए 28 जनवरी को प्रयागराज आए थे। अगले दिन भरद्वाज रोड चौराहे के पास बिना नंबर प्लेट के सफाई वाहन चालक ने अविनाश के दोस्त जितेंद्र चौहान को टक्कर मार दी। वह पुलिस की मदद से एसआरएन अस्पताल में इलाज कराने पहुंचे। आरोप है कि पुलिस से इसकी शिकायत करने पर उन्हें महाकुंभ मेले में अपनी शिकायत दर्ज करवाने को कहा गया। ऐसे में सभी दोस्त काफी परेशान हो गए। इसी बीच महाकुंभ मेले में हुए हादसे के बाद एसआरएन में जायजा लेने पहुंचे मुख्य सचिव मनोज कुमार से पीड़ित ने इंसाफ की गुहार लगा दी। उनके निर्देश पर पुलिस ने केस दर्ज किया। पुलिस जांच में चालक के पास न तो लाइसेंस मिला और न ही अन्य कागजात। बताया जा रहा है कि वाहन चालक नाबालिग था। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

ट्रायल पूरा होने में देरी तो आरोपी जमानत का हकदार, शर्तों के साथ आरोपी को रिहा करने का दिया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सात साल से जेल में बंद हत्यारोपी की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। कहा कि ट्रायल जल्द पूरा होने की संभावना नहीं है तो आरोपी जमानत का हकदार है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की अदालत ने गोरखपुर

निवासी सर्वजीत सिंह की दूसरी जमानत अर्जी सशर्त स्वीकार करते हुए की है। साथ ही कहा कि रिहाई के बाद आरोपी को ट्रायल कोर्ट की हर तारीखों पर हाजिर होना होगा। मामला गोरखपुर में झंगहा थाना क्षेत्र का है। 23 मई 2017 में गिरफ्तार हुए आरोपी के खिलाफ पुलिस ने 16 अगस्त को आरोप पत्र दाखिल किया। इसके बाद 25 जनवरी 2018 से ट्रायल शुरू हो गया। इस दौरान 16 गवाहों में से केवल तीन का ही परीक्षण किया जा सका है। 25 अक्टूबर 2019 से ट्रायल रुका हुआ है। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि ट्रायल जल्द पूरा होने की संभावना नहीं है। मामले के तीन अन्य अभियुक्त फरार हैं। याची सात साल नौ माह से जेल में निरुद्ध है।

‘लोकपर्व’ उपशास्त्रीय भक्ति संगीत, श्रीकृष्ण लीला नाट्य मलखम्भ व जनजातीय नृत्यों की प्रस्तुतियाँ

प्रयागराज,। रागों में निबद्ध भक्ति संगीत, श्रीकृष्ण के विविध ा लीलारूपों पर आधारित लीला नाट्य, कबीर भजन, ढोल, ढोलक, टिमकी, मृदंग, बासुरी, झांझ व थापती जैसे जनजातीय वाद्य यंत्रों की थाप पर मध्य प्रदेश की आदिम जनजातीय कोरकू का गदली नृत्य एवं प्राचीन खेल नृत्य मलखंभ की प्रस्तुतियां ‘लोकपर्व’ की सांस्कतिक संध्या पर उपस्थित श्रद्धालु दर्शको–श्रोताओं को भारतीय लोक संस्कृति के सुन्दर

स्वरूप के सम्मोहन से जोड़ती रही। मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा महाकुम्भ के अवसर पर सेक्टर–7 स्थित मध्यप्रदेश मण्डप में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत इदौर की सुश्री स्मिता मोकाशी के गणेश वंदना ‘हो जी दाता करो सुमिरण गणपति’ से हुई राग वसन्त तिलका में निवद्ध रचना अब न छूटे रे राम रट लागी के गायन ने श्रोताओं को भक्ति रस से मुग्ध कर दिया। मालवी लोक संगीत कबीर भजन मण्डल द्वारा मालवा की पारम्परिक लोक शैली में कबीर भजन जरा ध ीरे–धीरे गाडी हांको मेरे राम गाडी वाले’ की प्रस्तुत को श्रद्धालुओं द्वारा भरपूर सराहना मिली। दिनेश कुमार धौलपुरे एवं साथियों द्वारा ‘मलखम्भ’ खेल का प्रदर्शन भी श्रोताओं के आकर्षण का केन्द्र था। लोकपर्व के अन्तर्गत मध्यप्रदेश की प्राचीन जनजाति कोरकू द्वारा प्रस्तुत गदली नृत्य ने भी दर्षकों को भरपूर मनोरंजित किया। ढोल, ढोलक, बांसुरी, टिमकी, मृदंग, झांझ, घुंघरू एवं ताली की थाप पर जनजातीय स्त्री–पुरूषों द्वारा सम्पादित इस नृत्य ने जनजातीय लोक के अद्भुत लोक संस्कारों का दर्शन कराया। लोक पर्व की सांस्कृतिक संध्या का एक अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तुति उज्जैन के शिरीष राजपुरोहित द्वारा श्री कृष्ण चरित के विविध रूपों पर आधारित ‘‘लीला नाट्य’ की श्रृंगारिक मनमोहक प्रस्तुति थी। कंस के अत्याचार से मुक्ति, पूतना, बध, माखन चोरी, बाललीला कालिय नाग मर्दन, गोवर्धन पर्वत धारण, राधा–कृष्ण के विविध प्रसंगों आदि के माध्यम से वासुदेव कृष्ण की विविध मनोहारी लीलाओं को मंचित किया गया।

उमा मिश्रा जबलपुर को हिंदी सेवी सम्मान

जबलपुर। हिन्दी महाकुंभ में हिन्दी सेवी सम्मान श्रीमती उमा मिश्रा जबलपुर को हिन्दी महाकुंभ 2025 हिन्दी सेवी सम्मान श्री

धर्मप्रकाश वाजपेयी जी अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेई हिंदी संस्थान व प्रेरणाश्रोत प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा द्वारा सम्मानित किया गया। आयोजक प्रेरणा हिन्दी प्रचारिणी सभा संस्थापक कवि श्री संगम त्रिपाठी जी, संयोजक सशक्त हस्ताक्षर संस्थापक– श्री गणेश श्रीवास्तव, प्यासा जबलपुरी, स्वागताध्यक्ष श्री मदन श्रीवास्तव जी वरिष्ठ साहित्यकार, प्रदीप मिश्र अजनबी दिल्ली, सीमा शर्मा मेरठ,जी. एल. जैन, अरविंद तिवारी, राजकुमारी रैकवार, अम्लान गुहा नियोगी,प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, श्रीमती मीना भट्ट, श्रीमती सिद्धेश्वरी सराफ श शीलू श तरुणा खरे, बच्चन श्रीवास्तव, ऋषिराज रैकवार, पुरुषोत्तम भट्ट, अमर सिंह वर्मा, रश्मि पांडेय श शुभि श , विवेक शैलार, सीमा तिवारी, ए. के. पांडेय, आशा झा सखी, काली दास ताम्रकार काली जबलपुरी, अनिल शुक्ला, विजय तिवारी किसलय, भावना दीक्षित आदि की सहभागिता रही।

बजट का हर आंकड़ा झूठा : अखिलेश यादव

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जो सरकार महाकुंभ नहीं करा सकती उसके बजट का हर आंकड़ा झूठा है। अखिलेश यादव ने संसद परिसर में बजट पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमारे लिए बजट जरूरी नहीं, बल्कि महाकुंभ में हुई मौतों का आंकड़ा जानना जरूरी है। उन्होने कहा कि हम बजट के आंकड़ों का क्या करेंगे, हमें कुंभ में हुई मौतों का आंकड़ा चाहिए। वहां अब भी लोग अपनों की तस्वीर लेकर उनकी तलाश में भटक रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में जान जाने के आंकड़े जो बताये जा रहे हैं वह झूठे हैं। जिस सरकार को 17 घंटे लग गए ये बताने के लिए कि वहां भगदड़ हुई है जान गई है। महाकुंभ में हजारों सीसीटीवी कैमरे हैं ड्रोन हैं। क्या सरकार के पास लोगों के आंकड़े नहीं है। सपा नेता ने कहा कि जो सरकार हिन्दुओं के सबसे बड़े महाकुंभ का आयोजन नहीं कर पा रही है वह दुनिया में क्या अर्थव्यवस्था को खड़ा कर पाएंगे। वह बात करते हैं विकसित भारत की, क्या विकसित भारत की यही परिभाषा है कि आप लोगों को सुरक्षित स्नान भी न करा पाएं। उन्होंने कहा कि क्या विकसित भारत की यही परिभाषा है कि शंकराचार्य कह रहे हैं कि आपका मुख्यमंत्री झूठा है। कुछ लोग खुलकर कह रहे हैं और जितने भी वहां साध ु संत और शंकराचार्य आए हैं वह भी कह रहे हैं कि इससे बुरा

महाकुंभ नहीं हो सकता था। वहां लोगों की लाशें पड़ी थीं उस वक्त सरकार वहां फूल बरसा रही थी। क्या मरने वालों पर फूल डाले जा रहे थे या श्रद्धा के साथ आए थे उन पर फूल बरसाए जा रहे थे। अखिलेश यादव ने कहा कि यह सरकार झूठी है जो एक महाकुंभ नहीं करा सकती उसका हर आंकड़ा आज के बजट में झूठा है। जो मरने वालों का आंकड़ा न दे पाए हम बजट के आंकडों का क्या करेंगे वो मरने वालों का आंकड़ा नहीं दे पा रहे, खोए हुए लोगों का आंकड़ा नहीं दे रहे।

अपार आईडी के चक्कर में प्रिसिंपल से लेकर बाबू तक सब परेशान

अपार आईडी बनाने का कार्य दे रहा शिक्षकों को कष्ट अपार

लखनऊ (संवाददाता)। सरकारी व निजी स्कूलों में बच्चों की अपार आईडी का पूरा डाटा यू–डायस पोर्टल पर भरे जाने की अन्तिम तिथि 31 जनवरी बीत जाने पर भी काम अभी भी अधूरा ही है। कई तकनीकी कमियों के चलते, यू–डायस पोर्टल की धीमी स्पीड के चलते शिक्षा विभाग को सूचनाये उपलब्ध कराना शिक्षकों व प्रधानाचार्यों सहित बाबुओं के लिये अपार आईडी एक टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। इस संबध में शिक्षकों व शिक्षक संगठनों ने उच्चाधिकारियों से समय सीमा बढ़ाये जाने की मांग भी की है। आधार कार्ड में जन्मतिथि, नाम आदि और पोर्टल पर डाटा के मैच न करने से पोर्टल पर ऑनलाइन सूचनायें अपलोड नहीं हो पा रही है और कार्य जस का तस पड़ा हुआ है। एक विद्यालय के शिक्षक के अनुसार एक हजार बच्चों में मात्र तीन सौ बच्चों की ही सूचनाये ढंग से अपलोड हो पाई है, बाकी आधार कार्ड में सूचनाओं की विसंगतियों के

कारण नहीं हो पा रही है। उध ार जिला विद्यालय निरीक्षक व बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्य न होने पर विद्यालय व प्रिसपल के खिलाफ कार्यवाही करने की धमकी दे रहे है। आधार कार्ड में हुयी विसंगतियों के प्रति अभिभावक भी जिम्मेदार है। विद्यालय में प्रवेश के समय अंकित करायी गयी सूचनाओं में अपनी मर्जी से जन्म–तिथि, नाम में परिवर्तन करा कर आध ाार कार्ड बनवा लेते है। बाद में यही आधारकार्ड अपार आइडी के लिये दे रहे है। जिससे डाटा मैच न हो पाने के कारण अपार आईडी बन नहीं पा रही है। आधार में त्रुटि सुधार में अभिभावक कोई दिलचस्पी नहीं ले रहे है। जिसके कारण अपार आईडी का कार्य अटका पड़ा है। वही शिक्षक संगठनों का कहना है कि शिक्षा का अधिकार के तहत अपार आईडी अनिवार्य नहीं है। विभागीय अधिकारी मात्र परेशान करने के लिये आदेश जारी कर देते है। छात्र से संबंधि ात जाानकारी पेन (परमानेंट एजुकेशन नंबर) से ही मिल जाती है। वहां अपार आईडी का क्या मतलब है? एक शिक्षक के अनुसार पेन तो बच्चों का विद्यालय से ही प्राप्त हो जाता है जबकि अपार के लिये बच्चों को डिजिटल लॉकर पर आईडी बनानी होगी जो अव्यवहारिक है। महानिदेशक बेसिक शिक्षा ने अपार आईडी का कार्य समय पर न पूरा होने पर सरकारी शिक्षकों के वेतन कटौती की बात कही थी। इस पर शिक्षकों ने कहा कि वेतन कटौती होने पर वे महा आंदोलन करने पर मजबूर हो जायेगें। क्योंकि गलती उनकी नहीं है। अपार आईडी के कार्य को पूरा करने में अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जिस पर विभागीय अधि ाकारी ध्यान नहीं दे रहे है।

नगर आयुक्त कार्यालय के बाहर पार्षदों का प्रदर्शन

एलएसए कंपनी को सफाई का काम देने का विरोध

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम मुख्यालय में शनिवार को पार्षदों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। 50 से अधिक पार्षदों ने नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के कार्यालय के बाहर जमीन पर बैठकर नारेबाजी की। उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के लोग भी पार्षदों के साथ अपना विरोध दर्ज किया। नाराज पार्षदों ने कहा कि हम लोग जनप्रतिनिधि हैं, मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। नगर निगम जनता की चुनी हुई तीसरी सरकार है, जिसके प्रतिनिधियों को शून्य कर दिया गया। यह बेहद अफसोसनाक है कि आम जनता आज सफाई के लिए त्राहि त्राहि कर रही है। पार्षद नागेंद्र सिंह चौहान ने कहा की यहां कोई भी पार्षद किसी दल से नहीं है। सभी लोग पार्षद एकता के झंडे के तले विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यदाई संस्था एलएसए (लखनऊ स्वच्छ अभियान) को जोन 1, 3, 4 ,6 और 7 को ठेका प्रथा के तहत साफ–सफाई का कार्य दिया जा रहा है। जिस का हम लोग विरोध कर रहे हैं। डोर टू डोर कूड़ा उठाने का काम यह कंपनी पहले से ही कर रही है, जिसमें यह पूरी तरीके से विफल है। पार्षद अरुण तिवारी ने कहा कि हम लोग इस बात का विरोध कर रहे हैं कि जो सदन में जो निर्णय लिया गया था उसका पालन नहीं किया जा रहा है। सदन में जो सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास हुए थे। उसपर निर्णय न करके अधिकारी अपनी मनमानी कर रहे हैं। इस संबंध में नगर आयुक्त और महापौर को पत्र सौंप चुके हैं। रोड स्वीपिंग जो 80 करोड़ में हो रहा था आज वह 575 करोड़ जा रहा है। यह पैसा कहां से आएगा। इसका कोई जवाब नहीं दे रहा। इको कंपनी की तरह यह कंपनी भी भागेगी।

जनवरी की गर्मी ने बनाया रिकॉर्ड, फरवरी के मौसम को लेकर जारी हुए पूर्वानुमान, कल से बारिश का अलर्ट

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में इस बार जनवरी सामान्य से गर्म रही। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि फरवरी भी सामान्य से गर्म रहने वाला है। विशेषज्ञों का कहना है कि कुल मिलाकर इस बार ठंड सामान्य से कम पड़ी।जनवरी के आखिरी दिन शुक्रवार को प्रदेश के लगभग 30 जिलों में दिन का पारा 25 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। प्रयागराज में दिन का पारा प्रदेश में सर्वाधिक 31.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं 6 डिग्री सेल्सियस के साथ अयोध्या सबसे ठंडा रहा। मौसम विभाग ने वसंत पंचमी के बाद तीन से सात फरवरी के बीच पूरे प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश के संकेत हैं। बीते दिसंबर से लेकर इस बार जनवरी और अब फरवरी के भी सामान्य से गर्म रहने का पूर्वानुमान चिंताजनक है। फरवरी में बारिश भी सामान्य से कम होने का पूर्वानुमान है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि फरवरी भी सामान्य से गर्म रहने वाला है। बारिश भी सामान्य से कम रहने वाला है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एक शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ वसंत पंचमी के बाद तीन फरवरी से सक्रिय हो रहा है जो पूरे प्रदेश में तीन से सात फरवरी के बीच हल्की से मध्यम बारिश कराएगा। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए प्रदेश के 35 जिलों में घने कोहरे की संभावना जताई है।

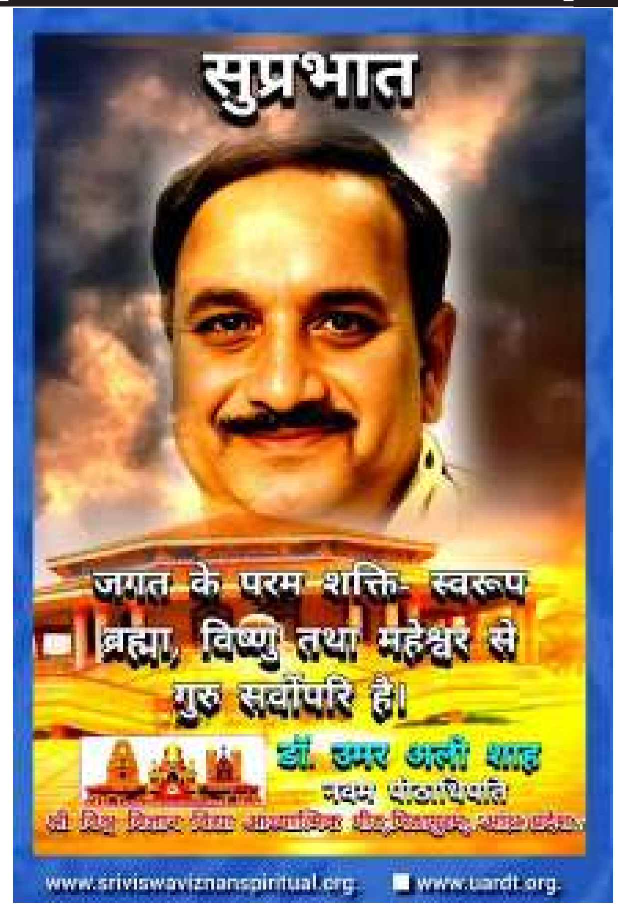

संस्कार भारती के मंच पर लोकगीत एवं कथक नृत्य’

प्रयागराज ।संस्कार भारती के शिविर महेश्वर परिसर में स्थित मंच महाकुंभ–2025 का शुभारंभ हुआ आरोही सिंह के द्वारा कथक

नृत्य के माध्यम से गणेश वंदना द्वारा।सिंह ने होली की भी भाव–प्रस्तुति दी।प्रयागराज की प्रियंका चौहान एवं रागिनी चन्द्रा द्वारा लोक गायन प्रस्तुति किया गया।आर्यन चौधरी संजय ने भजन गायन किया।की–बोर्ड पर शीबू भट्ट तथा ढोलक पर सोना भट्ट ने संगत की।आर्यन चौधरी ने भजन प्रस्तुत किया ।संस्कार भारती काशी प्रांत के संगठन मंत्री दीपक शर्मा द्वारा अंग–वस्त्र द्वारा कलाकारों को सम्मानित किया गया। संस्कार भारती के कला संयोजक एवं मीडिया प्रभारी कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि महेश्वर परिसर में लगी चित्रकला प्रदर्शनी को हजारों दर्शकों ने देखा और चित्रों की सरहना की । डॉ योगेंद्र कुमार मिश्र ने संचालन व उद्घोषणा की।

हाईकोर्ट के दो वकीलों की मौत, तालाब में डूबी कार में मिले शव... शरीर पर चोट से हत्या की आशंका

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश की राजधानी में लखनऊ हाईकोर्ट के दो वकीलों की संदिग्ध हालात में तालाब में डूबकर मौत हो गई। दोनों के शव कार अंदर ही मिले हैं। दरअसल, शनिवार की सुबह हुई तो सड़क से गुजर रहे लोगों ने तालाब में एक उल्टी हुई कार देखा। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तालाब के अंदर उतरी। देखा तो दोनों शव कार के अंदर थे। फिर टीम ने जैसे–तैसे दरवाजा खोलकर शवों को बाहर निकाला। आपको बता दें कि यह घटना चिनहट थाने के नौबस्ता कला गांव का है ।फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर कार की जांच की। इसके बाद पुलिस ने कार को सील कर दिया। वकीलों की पहचान खरगापुर निवासी स्टैंडिंग काउंसिल कुलदीप अवस्थी (40) और विकास नगर निवासी शशांक सिंह (37) के रूप में हुई है। यह बताया जा रहा है कि दोनों दावत खाने के लिए घर से बाहर निकले थे। तालाब से शव बाहर निकालने के बाद पता चला कि दोनों के शरीर पर चोट के निशान हैं।

महाकुम्भ की भीड़

(कुण्डलिया)

हरि–दर्शन की आस में,महाकुम्भ की भीड़।
माया–ममता,मोह तज,तज कर अपना नीड़।
तजकर अपना नीड़, रहें वह संगम–आँगन।
पूजा संयम ध्यान, जहाँ का है अति पावन।
सुन लो कहें प्रदीप, न समझो इसको वर्जन।
मन से करिए याद मिलेगा हरि का दर्शन।।

संगम तट पर बैठकर, तनिक न बोलें झूठ।
कहा साधु ने माघ में, माँ जाएगी रूठ।
माँ जाएगी रूठ,नहीं फिर बात सुनेगी।
है इसका इतिहास, कहानी खूब गुनेगी।
सुन लो कहें प्रदीप, समझकर जीवन– जंगम ।
पर्वों से लो ज्ञान,बताता पावन संगम। ।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

नवगीत

आंसू और बहाने

——————————————

महा कुंभ के आमंत्रण पर
आस्था गई नहाने
जाकर देखा संगम तटपे
दूर के ढोल सुहाने

पैदल चल के त्रिवेणी की
श्रद्धा चकनाचूर हुई
वीवीआईपी के कदमों से
तट की रेती धूर हुई

कुछ ने मन का पुण्य कमाया
कुछ जाके पछताने

आस्था को भी लगे भुनाने
राजनीति के झण्डे
मौका पाकर चिलम खींचते
घाट–घाट के पण्डे

नंगे सब पवित्र अवसर पर
डुबकी लगे लगाने

महा मण्डलेस्वर सब चुप हैं
चुप है सभी अखाड़े
सत्य बोलता नहीं मीडिया
चुप का झण्डा गाड़े

दुखद घड़ी में दिया बधाई
रंच नही शरमाने

जो होना था हुआ किन्तु था
सच को सच बतलाना
अपने हैं अपनो से कैसा
छिपना और छिपाना

डटकर करो सामना छोड़ो
आंसू और बहाने

जयराम जय
शपर्णिकाश11/1'कृष्ण विहार,आवास विकास,
कल्याणपुर,कानपुर –208017(उ प्र)

सम्पादकीय.......

सरकारी स्कूलों पर भरोसा

निर्विवाद रूप से आम लोगों की धारणा सरकारी स्कूलों के प्रति अच्छी नहीं रहती। थोड़ी आर्थिक स्थिति सुधरते ही लोग अपने बच्चों को महंगे निजी स्कूलों में भेजने को आतुर हो जाते हैं। कोरोना संकट ने बताया था कि जब तमाम लोगों की आर्थिक स्थिति खराब हुई और नौकरियां गई, तो सरकारी स्कूलों ने उनके बच्चों को सहारा दिया। आंकड़े बताते हैं कि कोरोना संकट के दौरान व बाद में सरकारी स्कूलों में बच्चों के दाखिलों में खासी तेजी आई थी। लेकिन यह सवाल नीति–नियंताओं के लिये विचारणीय है कि बेहतर संरचनात्मक सुविधाओं व ऊंचे वेतनमान वाले शिक्षकों के बावजूद सरकारी स्कूल जनमानस की आकांक्षाओं की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतरते। समाज के संपन्न तबके व अधिकारियों के बच्चे सरकारी स्कूलों में जाने से गुरेज क्यों करते हैं? बहरहाल, एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट यानी असर 2024 के जो निष्कर्ष बीते मंगलवार को दिल्ली में जारी किए गए, वे नई उम्मीद जगाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को लेकर किए गए अध्ययन वाली असर की रिपोर्ट बताती है कि देश में छह से चौदह वर्ष के बच्चों के पढ़ने की क्षमता और गणितीय कौशल में कोरोना संकट के बाद सुधार देखा गया है। सरकारी स्कूलों में तीसरी कक्षा के बच्चों के पढ़ने की बुनियादी क्षमता में पहले से सुधार हुआ है। जो पिछले दो दशकों में सर्वोत्तम स्तर पर है। अच्छी बात यह है कि सरकारी व निजी दोनों स्तर पर स्कूलों में विद्यार्थियों के बुनियादी गणितीय कौशल में सुधार देखा गया। जो पिछले एक दशक में बेहतर है। अब कक्षा तीन के छात्र घटाव के प्रश्न हल करने में सक्षम हैं। वहीं कक्षा पांच के बच्चे भाग के प्रश्न हल कर सकते हैं। अच्छी बात यह भी है कि देशभर के स्कूलों में सीखने के स्तर में भी सुधार आया है। यह स्तर 2010 तक स्थिर था, फिर इसमें गिरावट का ट्रेंड देखा गया था। दरअसल,कोरोना काल में बच्चों के सीखने की क्षमता में गिरावट देखी गई। महामारी के चलते स्कूल बंद होने के बाद बच्चे पढ़ नहीं पाए। अधिकांश बच्चों के पास स्मार्टफोन नहीं थे। वहीं घर में माता पिता के कम पढ़े–लिखे होने या अनपढ़ होने से बच्चों का सीखने का मूलभूत कौशल प्रभावित हुआ था। बच्चे पहले का सीखा भूल गए और बड़ी संख्या में बच्चों को स्कूल भी छोड़ना पड़ा। असर की रिपोर्ट बताती है कि जहां नामांकन प्रतिशत में वृद्धि हुई है,वहीं डिजिटल साक्षरता की दर में भी वृद्धि देखी गई है। सुखद है कि कोरोना काल के बाद स्कूलों में पढ़ाई को लेकर गंभीरता देखी गई है। जागरूकता अभिभावकों के स्तर पर भी देखी गई है। हालांकि, बीते वर्ष के मुकाबले छह से चौदह वर्ष तक के बच्चों के दाखिलों में कमी देखी गई है। जिसकी वजह है कि कोरोना संकट के चलते रोजगार प्रभावित होने से जो बच्चे सरकारी स्कूलों की तरफ आए थे, वे फिर आय बढ़ने पर निजी स्कूलों की ओर रुख करने लगे हैं। दरअसल, सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर भरोसा कायम करने की जरूरत है। वैसे सरकारी स्कूलों में भी स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाले बच्चों की संख्या बढ़ी है। वहीं दूसरी असर की रिपोर्ट में पंजाब को लेकर कहा गया है कि स्कूली बच्चे पंजाबी पढ़ने को लेकर निराशाजनक प्रदर्शन कर रहे हैं। पंजाब सरकार के स्कूलों में कक्षा तीन के केवल 34 फीसदी छात्र ही दूसरी कक्षा की पाठ्य पुस्तकें पढ़ सकते हैं। हालांकि, पढ़ने की क्षमता और अंकगणित की समस्याओं के हल करने के मामले में सरकारी स्कूलों ने निजी स्कूलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया । लेकिन चौंकाने वाली बात यह कि सरकारी व निजी स्कूलों के तीसरी कक्षा के 15 फीसदी से अधिक छात्र ही गुरुमुखी लिपि के अक्षर पढ़ सकते हैं, शब्द नहीं। वहीं 4.6 फीसदी छात्र पंजाबी के अक्षर भी नहीं पढ़ सकते। हालांकि, बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर पंजाब राष्ट्रीय औसत से बेहतर स्थिति में रहा है। राष्ट्रीय स्तर से बेहतर 97. 4 स्कूलों मे मध्याह्न भोजन परोसा गया। वहीं राष्ट्रीय औसत 11.1 के मुकाबले 32.7 फीसदी स्कूलों में छात्र कंप्यूटर का उपयोग करते हैं। लेकिन अभी सुधार की बहुत गुंजाइश है।

दिव्य कुम्भ भव्य कुम्भ 2025

प्रो ओंकार नाथ द्विवेदी
––––––
अध्यक्ष इतिहास विभाग एम जी पी जी कॉलेज, फतेहपुर

–प्रयागराज की गणना भारत ही नहीं, अपितु विश्व के प्राचीनतम तीर्थ स्थलों में की जाती है। ऋग्वेद के दशम मण्डल की एक ऋचा में इस स्थल की महिमा का उल्लेख मिलता है। महाभारत के आदि पर्व में प्रयाग तीर्थ को सोम, वरुण और प्रजापति की जन्म भूमि कहा गया है। पितामह् ब्रह्मा ने भी यहाँ पर दस यज्ञ किया, इसीलिए इसे प्रयाग की संज्ञा दी गयी। इस प्रकार तपोभूमि प्रयाग सब तीर्थों में श्रेष्ठ है। प्रयाग शब्द की निष्पत्ति श्यजश्धातु से मानी गयी है। ष्प्रश् उपसर्ग का प्रकृष्ट एवं श्रेष्ठ से तात्पर्य हैष् यागष् शब्द यज्ञवाची है। ब्रह्म पुराण के अनुसार इस तीर्थ क्षेत्र में प्रकृष्ट यज्ञ हुए हैं, इसीलिए इसे प्रयाग कहते हैं और यज्ञ स्थलों में प्रधानता के कारण इसे ष्प्रयागराजश्भी कहा जाता है।

समुद्र पर्यन्त इस पृथ्वी में जितने भी तीर्थ है, उन सबमें श्रेष्ठ तीर्थराज प्रयाग की महिमा वेदों से लेकर विभिन शास्त्रों, धार्मग्रन्थों,पुराणों और पूर्ववर्ती साहित्य में प्रचुर रूप से वर्णित है। इस प्रकार प्रयागराज के दर्शन, तीर्थाटन और सेवन से मनुष्य के विविध पापों का शमन हो जाता है। दृष्ट्ध्वा प्रकृष्टं यागेभ्यः पुष्टेभ्यो दक्षिणादिभिः ।
प्रयागमिति तन्नाम कृतं हरिहरादिभिः ६

पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार – तीर्थराज प्रयाग का नाम सर्वोपरि तीर्थ के रूप में विश्रुत है। वह सर्व तीर्थों के पुण्य फल को देने वाला एवं (चतुर्वर्ग–धार्म, अर्थ, काम, मोक्ष) का प्रदाता है। भगवान माधव (विष्णु) के समान कोई देवता नहीं है, गंगा के समान कोई नदी नहीं है तथा तीर्थराज (प्रयाग) के समान तीनों लोको में कोई तीर्थ नहीं है। यथा– न माधव समो देवो न च गंगा सभा नदी।
न तोर्भराज सहशं क्षेत्रमास्ते जगत्नमे ६ (ब्रह्म पुराण) गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज ने भी प्रयाग तीर्थ को रामचारत मानस में तीर्थराज की मान्यता दी हैं– को कहि सकई प्रयाग प्रभाऊ । कलुष पुंज कुंजर मृगराऊ ६
असि तीरथ पति देखि सुहावा । सुख सागर रघुवर सुख पावा।।
कहि सिय लखनहि सरवहिं सुनाई । श्री मुख तीरथ राज बड़ाई ६

रामायण के उल्लेख से विदित होता है कि प्रयाग को चारों ओर सघन वन था और बीच में गंगा यमुना का संगम और भरद्वाज मुनि का आश्रम था ।
पहिन श्वेत परिधान जहनु तनया जँह आई।
नीली साड़ी ओढ़ी अर्घ्य ले जमुना धाई ६
गुप्त रूप से आय सरस्वती जहाँ समाती ।
वट के नीचे बैठि बहिन तीनों बतराती ६
उन तीर्थ राज के चरण की शरण गहेंगे हम सदा ।
माधव–माधन रस्त हो, यह तन त्यागेगें कदा।।

महर्षि वेद व्यास ने महाभारत में साठ करोड़ दस हजार तीर्थों का वास प्रयाग में बताया है। प्रयाग में बारह माधव हैं– शंखमाधव,चक्रमाधव, गदामाधव, पद्ममाधव, अनन्तमाधव, विन्दुमाधव, मनोहर माधव, असिमाधव, संकटहरण माधव, आदिवेणी माधव,विष्णु माधव, श्री वेणी माधव। इसके अतिरिक्त वटमाधव अक्षयवट के वटमूल में स्थित है। इस प्रकार वटमाधव युक्त प्रयाग में 13 माधव हुए। प्रयागराज में गंगा स्नान, दान एवं तीर्थ सेवन का अमोघफल है। इस क्षेत्र में मनुष्य तीर्थाटन की अभिलाषा से श्रद्धापूर्वक जितने पग चलता है, उसे उतने अश्वमेध यज्ञों का फल प्राप्त होता है। जितने भी विष्णु, शंकर, ब्रह्मा प्रभृति देवता हैं, ऋषि मुनि, सरिताये , सागर, तपस्वी, गन्धर्व और अप्सराएं हैं वे सब इस प्रयाग तीर्थ में विद्यमान हैं–
वक्ष्ये प्रयागमाहात्म्यं भुक्तिमुक्तिप्रदं परम् ।
प्रयागे ये च विष्णवाद्या देवा मुनिवराः स्थिताः ।
सरितः सागराः सिद्धा गन्धर्वाप्सरस्तथा ६

प्रयागराज में श्रद्धापूर्वक किया गया अल्प मात्र दान का पुण्य वट वृक्ष बीज के समान वृद्धि को प्राप्त होता है। ष्प्रभागे ह्यल्पदानं च वर्द्धते वटवीजवत् । कुम्भ महापर्व पर प्रयाग में त्रिवेणी स्नान और दान का अत्यधिक महात्म्य है, प्रयाग में स्नान करने से–
उत्तर–प्रदेश मध्य सुन्दर धाम है ललाम, पुण्य को प्रभाव होत, जहाँ जन्म पाये ते । पाप के पहार को छार करत गंगा नित, यमुना ममलोक से बचाये शरण आये ते ।। सरस्वती अदृश्य जहाँ देती है समस्त सुख, निश्चय ही मोक्ष होत दर्शन के पाये ते।
रोयो यमराज, मेरो भयो है अकाज आज, पापी सब स्वर्ग जात प्रयाग के नहाये ते ।।

सामाजिक एकता, सांस्कृतिक विचार–विनिमय, भावात्मक एकता, धार्मिक एवं शास्त्रीय विचारों का आदान–प्रदान, अन्य सभी परम्पराओं एवं भाषाओं आदि के समन्वय हेतु इन पर्वो का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान रहा है। प्रयागराज के अष्ट प्रधान पौराणिक तीर्थस्थल निम्न हैं–
त्रिवेणी माधवं सोम भरद्वाजं च वासुकीम् । वन्दे अक्षयवटं शेष प्रयाग तीर्थनायकम् ।।

प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ विश्व का सबध्से अद्भुत,अनूठा और भव्य आयोजन है, जो भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक और पौराणिक परम्पराओं का प्रतीक है। करोड़ो लोग एकत्र होकर वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को आत्मसात करते हैं। यह मेला न केवल आस्था और धार्मिकता का केन्द्र है, बल्कि जीवन में पापो से मुक्ति और सुख–शांति की कामना का अवसर भी है। भारत में धार्मिक सम्मेलन की परम्परा वैदिक युग से चली आ रही है।महाकुम्भ प्राचीन काल से चली आ रही विभिन्न संस्कृतियो और सभ्यता का संगम हैं।

महाकुम्भ मानवता का ऐसा समुच्चय है जहाँ एक साथ बहुत संजीवनी और जाग्रत आत्माएं दीप्ति होती है और उसमें जो प्रकाश पुंज का निर्माण होता है, वह मनुष्य को संचालित करता है, प्रेरणा भरता है।

महाकुम्भ में स्नान–दान एवं साधु सन्तों के साथ धर्म लाभ उठाने का और सभी पापों का नाश करने का अवसर प्राप्त होता है। प्रयागराज महाकुम्भ, भारत की समृद्धि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का प्रमाण है। मानवता की यह अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पूरी दुनिया को सनातन संस्कृति की गौरवशाली परम्परा, विविधतापूर्ण सामाजिक परितेश और लोक आस्था का साक्षात्कार कराने के लिए सज धज रही है।

संगम के तट पर माघ मास में अनंत काल से माघ मेला, छः वर्षों में कुम्भ और 12 वर्षों में महाकुम्भ मेला लग रहा है। यह विश्व का एकमान स्थल है जहाँ प्रतिवर्ष एक माह के लिए तम्बुओं का अस्थाई शहर बसता है। सुरक्षा, स्वच्छता,संचार इस सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयोजन के मुख्य स्तम्भ हैं शहर के सौंदर्यीकरण के साथ –साथआस्था एवं पर्यटन के लिहाज से शहर के महत्वपूर्ण मंदिरो और पौराणिक स्थलों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। श्पेंट माई सिटीश्अभियान से युवाओं और छात्रों को जोड़ध्कर महाकुम्भ के धार्मिक, सांस्कृतिक महत्व से लेकर इसे स्वच्छ बनाने तक के मनमोहक चित्र बनाए जा रहे हैं। ग्रीन महाकुम्भ का नारा देकर पर्यावरण के वैश्विक संरक्षण का सन्देश भी योगी सरकार दे रही है। लोगों को जागरूक करने के लिए गंगा दूत, गंगा प्रहरी, और गंगा मित्रों की नियुक्ति की गयी ।

महाकुम्भ में आकर संत, महंत, ऋषि,मुनि, ज्ञानी, विद्वान तथा सामान्य मानव भी सब एक हो जाते हैं। सब एक साथ त्रिवेणी में डुबकी लगाते हैं,जहाँ जातियों का भेद खत्म हो जाता है। सम्प्रदायों का टकराव मिट जाता है। करोड़ो लोग एक ध्येय एक विचार से जुड़ ध्जाते हैं।यह महाकुम्भ एकता का महायज्ञ है। जिसमें हर तरह के भेदभाव की आहूति दी जाती है। महाकुम्भु का है संदेश, घर–घर हो आध्यात्म प्रवेश । जहाँ गंगा–यमुना दोनों नदियाँ एक होती हैं, वहाँ स्नान करने वालों को स्वर्ग मिलता है एवं जो धीर पुरुष इस संगम में तनत्याग करते हैं, उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।

भरद्वाज आश्रम अति पावन । परम रम्य मुनिवर मन भावन ।। कलिजुग केवल हारे गुन गाहा। गावत नर पावहिं भव थाहा राम कथा के तेई अधिकारी । जिन्ह के सतसंगति अति प्यारी ।। धर्म चर्चा या सत्संग से मानव को उल्लास और आनन्द की जैसी अनुभूति होती है। वह वर्णनातीत होती है। ऐसी अनुभूति आसान नहीं होती। इसके. लिए सत्संग की परमावश्यकता होती है, क्योंकि उसी से मानव का विवेक जाग्रत होता है। गोस्वामी जी ने इसीलिए कहा है –षविनु सत्संग विवेक न होई ।ष धर्म चर्चा और सत्संग–विवेक के इसी सनातन सन्देश को जन–जन तक पहुंचाने के उपक्रम में यह महाकुम्भ महत्वपूर्ण योगदान करता आ रहा है। इस आयोजन में पृथ्वी पर संत मंथन करते हैं, तो आकाश में देवता मंथन करते हैं। यहाँ आयोजित महाकुम्भ न सिर्फ धार्मिक आयोजन है,बल्कि यह मानवता, एकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला वैश्विक मंच भी है।

चारि पदारथ भरा भंडारू, पुण्य प्रदेश देश अति चारू । अर्थात जहाँ धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष चारों पदार्थ सुलभ है वो प्रयाग है। प्रयागराज केवल एक भौगोलिक भूखण्ड नहीं है बल्कि यह एक आध्यात्मिक अनुभव क्षेत्र है। दशतीर्थ सहस्राणि षष्टि कोट्ध्यरथापरारू अर्थात संगम में स्नान करने से करोड़ों तीर्थ के बराबर पुण्य मिल जाता है। जो व्यक्ति प्रयाग में स्नान करता है वह हर पाप से मुक्त हो जाता है। 'प्रयागराज की महिमा का बखान'–
त्रिवेणी माधवं सोमं,भारद्वाजं च वासुकीम, वंदे अक्षयवटं शेषम् प्रयागम् तीर्थनायकम् अर्थात त्रिवेणी का त्रिकाल प्रभाव, वेणीमाधव की महिमा, सोमेश्वर के आशीर्वाद, ऋषि भारद्वाज की तपोभूमि, नागराज वासु जी का विशेष स्थान, अक्षयवट की अमरता और शेष की अशेष कृपा में है हमारा तीर्थराज प्रयाग।

महाकुम्भ भारत का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है, जो 12 सालों में एक बार आयोजित होता है। इसके आयोजन को लेकर अलग–अलग कथाएँ प्रचालित है। जिनमें सबसे प्रमुख समुद्र मंथन और विशेष नक्षत्रों की स्थिति पर आधारित कथाएँ हैं। इसमें करोडो श्रद्धालु साधु– सन्त और विभिन्न धर्म सम्प्रदायों के लोग भाग लेते हैं। महाकुम्भ में जिनने मत, पंथ सम्प्रदाय है सब यहाँ एक हैं। सारी जातियाँ यहाँ एक हो जाती हैं। सारे वर्ग और संप्रदायों के भेद मिट जाते हैं। यहाँ कोई छोटा बड़ा नहीं रहता गंगा की रज, रेत, रेणुका अथवा उसके संगम में हम सब एक हो जाते हैं। गंगा हिन्दू की नहीं है, गंगा भारत की सांस्कृतिक रेखा है। गंगा में संजीवनी शक्ति हैं। गंगा में मनुष्य स्नान करके पाप मुक्त हो जाता है

भस्म जिसे विभूति भी कहा जाता है। यह न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक प्रक्रिया का हिस्सा है, बल्कि इसे योग और ध्यान की गहराइध्यों में उतरने का प्रतीक भी माना जाता है। मुख्यतः योगी तीन प्रकार की भस्म का उपयोग करते हैंध

1.श्मशान भस्म – इसे शव दहन के बाद बची राख से तैयार किया जाता है, इस भस्म को जीवन की क्षण भंगुरता और सांसारिक मोह से मुक्ति का प्रतीक माना गया है। इसे लगाने वाले योगी मृत्यु के सत्य को स्वीकार करते हुए जीवन की बुराइध्यों का अनुभव करते हैं।

2.हवन भस्म – इसे यज्ञ या हवन के आग से निकाली गयी राख से बनाया जाता है। यह भस्म पवित्रता, शुद्धता और देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त करने का प्रतीक है।

3.गोबर भस्म – यह गोमाता के सूखे गोबर को जलाकर तैयार की जाती है इसका उपयोग विशेषतः वैष्णव परम्परा के साधुओं द्वारा किया जाता है।यह भस्म शुद्धता और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है।

इसका आध्यात्मिक महत्व यह है कि साधू और योगी को सांसारिक बंधनों से मुक्त कर आत्मा की शुद्धता का अनुभव कराती है। इसे शरीर पर लगाने से योगी अपने अहंकार का त्याग करके परमात्मा से एकात्मता का अनुभव करते हैं। यह आध्यात्म, तप और ध्यान में स्थिरता प्रदान करता है। महाकुम्भ सनातन धार्म के वैभव का प्रतीक है। इसमें सनातन संस्कृति व सभ्यता का दर्शन होता है। इसी पर भारत का अस्तित्व टिका है यह धार्मिक ही नहीं, जनकल्याण का सबसे बड़ा जायोजन है।

सम्राट हर्षवर्धन के काल में भारत आए चीनी यात्री ह्वेन सांग ने भी महाकुम्भ स्नान कर पुण्य लाभ लिया था। ह्वेनसांग ने अपने यात्रा वृतान्त में इस स्थान को पो–लो –याकिया का नाम दिया था। उसने महाकुम्भ के आयोजन और इसके प्रति इंसानों ही नहीं बल्कि पशु–पक्षियों में भी आस्था होने का जिक्र किया है। अच्छा बनो, अच्छा करो, सेवा करो, प्रेम करो, शुद्ध रहो, ध्यान करो, अनुभव करो और मुक्त हो जाओ।

महाकुम्भ श्रद्धा, आस्था और संस्कृति का महापर्व है। यह भारत को सनातन परम्परा का उद्घ्घोष और विश्व का सबसे बड़ा सांस्कृतिक समागम है। इससे भारत देश दुनिया को यह सन्देश देता है कि किस तरह अनेकता में एकता का दर्शन होता है। अलग–सम्प्रदाय, अलग–अलग संप्रदाय और अखाड़े यहाँ आकर एक लय में होते हैं। भारत के लिए इसका महत्व इसलिए भी है कि वर्तमान और आने वाली पीढी को इससे सनातन के उद्देश्य का एहसास होता है। 144 साल बाद महाकुम्भ का अवसर आता है।12 वर्ष बाद आयोजित होने वाले कुम्भ को पूर्ण कुम्भ कहा जाता है। ष्वसुधैव कुटुम्बकम्ष् का उद्घ्घोष करने वाले सनातन धर्म का सर्वस्पर्शी आध्यात्मिक राष्ट्रीय सनातन परम्पराओं से ओत–ओत यह आयोजन है। यह आयोजन सनातन धर्म पर लगातार आक्षेप कटाक्ष और आलोचना करने वालों को भी यह उत्तर दे रहा है। ारतीय संस्कृति में महाकुम्भ मेले का खास महत्व है। कुम्भ मेला चार पावन स्थलों, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज पर लगता है। अर्द्धकुम्भ, पूर्णकुम्भ और महाकुम्भ सदियों से चली आ रही सांस्कृतिक आध्यात्मिक यात्रा है। कुम्भ में सनातन धर्म के साधू –संन्यासी, साध्वी, कल्प वासी तीर्थ में स्नान करने आते है,इस धार्मिक आयोजन में खगोलीय घटनाओं का भी महत्व है। प्रयागराज की चर्चा वेद,ऋचाओं में भी है। कहा गया है, ष्माघ मकरगत रवि जब होईष् तीरथ पतिहि आव सब कोई। यानी सूर्य जब मकर में आते हैं, तो सभी देव,ऋषि– महर्षि तीर्थराज प्रयागराज की ओर आते हैं। पूर्ण कुम्भ के प्रत्येक 12 वर्ष बाद होने के पीछे का आधार ज्योतिषीय भी है और पौराणिक भी। ज्योतिष के आधार पर सूर्य–चन्द्र के स्थितियों के आधार पर हर 12 वर्ष बाद योग बनते हैं। जब वृहस्पति मेष राशि में हो और सूर्य–चन्द्र मकर में हो तो प्रयागराज में पूर्ण कुम्भ होता है। महाकुम्भ में विशेष अवसरों पर शाही स्नान की परम्परा है। अलग– अलग अखाड़ों के आचार्य महामंडलेश्वर, महामंडलेश्वर और महंत पेशवाई यानी शोभा यात्रा के साथ कुम्भ नगरी में प्रवेश करते हैं। अखाड़ों के महामंडलेश्वर और महंत पेशवाई सजे हुए रथो पर आसीन होते हैं। पेशवाई में हाथी– घोड़े पर सवार होकर अखाड़ों के शाही जुलूस निकलते है। उनके अनुयायी अपने–अपने अखाड़ों की ध्वजा साथ नेकर नृत्य, कीर्तन के साथ कुम्भ नगरी के लिए पैदल चलते है । पेशवाई अखाड़ों के वैभव शक्ति और अनुशासन का प्रतीक माना जाता है, यह परम्परा सदियों पुरानी है। आदि गुरु शंकराचार्य ने जिन अखाड़ों की स्थापना की, वे शस्त्र विद्या का ज्ञान रखते थे। ये अखाड़े हिन्दू धर्म की रक्षा सनातन धर्म के पवित्र ग्रन्थों और धार्मिक स्थलों की रक्षा करते रहे हैं। इन अखाड़ों की अपनी–अपनी परम्परा और इतिहास है, लेकिन सबका मूल ध्येय सनातन के ध्वजा को कायम रखना है।

महाकुम्भ का सामाजिक आर्थिक महत्त्व भी है। प्रयागराज में सिर्फ संत साधु नहीं, देश विदेश के बड़े–बड़े उद्यमी भी आ रहे हैं। यह कहा जा रहा है कि करोड़ो श्रद्धालुओं के यहाँ आने से दो से सवा दो लाख करोड़ से अधिक का कारोबार और आमदनी होने की सम्भावना है। यह आय बड़े उद्यमियों के साथ–साथ खाने पीने के सामान, फूल–माला पूजा सामग्री इत्यादि बेचने वाले छोटे –छोटे व्यापारियों को भी आर्थिक तौर पर मजबूत करेगी।

कुम्भ मेला केवल कुम्भ नगरी ही नहीं, आस –पास के इलाकों के शिल्पियों, कारीगरों के बाजार को भी अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिलाने में सहायक है। प्रयागराज महाकुम्भ के विराट स्वरूप को कई पहलुध्ओं से देखा जा सकता है। दुनिया इस विराट पर्व के गूढ़ तत्व को समझ रही है। ऐसा आयोजन भारत में ही संभव है। समुद्र मंथन की घटना के दौरान अमृत और विष का निकलना एक प्रतीकात्मक संकेत है, जो हमें सिखाता है कि जीवन में शुद्धता और सन्तुलन प्राप्त करने के लिए मंथन,साधना और आत्मनिरीक्षण आवश्यक है। समुद्र मंथन की कथा हमारे समाज और जीवन को एक गहरी सीख देती है। जैसे समुद्र मंथन से विष निकला और उसने सम्पूर्ण सृष्टि के लिए खतरे का संकेत दिया। वैसे ही आज के समय में प्रदूषण ने पृथ्वी को एक गंभीर संकट में डाल दिया है। पूरी पृथ्वी पर यह अपना नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। अगर अदूषण का स्तर और बढ़ध्ता है, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए यह विनाशकारी हो सकता है। महाकुम्भ का आयोजन एक सामाजिक चेतना का जागरण है, जी सृष्टि के कल्याण के लिए कार्य करता है। जैसे समुद्र मंथन से विष को अलग किया गया और अमृत को प्राप्त किया गया, वैसे ही अगर हम प्रदूध्षण को नियंत्रित करते हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रयास करते हैं तो हम पृथ्वी पर जीवन को शुद्ध और समृद्ध बना सकते हैं। प्रदूषण को कम करने के लिए हमें कड़े कदम उठाने होगें। पुनर्नवीनीकरण जल संरक्षण, वृक्षारोपण और नवीनीकरण ऊर्जा का उपयोग हमारे पर्यावरण की रक्षा में सहायक हो सकता है। यदि हम प्रदूषण को कम करते हैं और पर्यावरण का संरक्षण करते हैं, तो इस अमृत की तरह शांति,समृद्धि और सन्तुलन की भी प्राप्त कर सकते हैं। महाकुम्भ हमे यह भी याद दिलाता है कि जैसे समुद्र मंथन से निकले अमृत ने इस सृष्टि को जीवन दिया वैसे ही हमें प्रदूषण से मुक्ति पाकर पृथ्वी को जीवनदायिनी बनाया है ।

महाकुम्भ एक नाद है, जिसमें भारत में उपजे व पल्लवित हुए सभी आध्यात्मिक मार्गो का स्पंद ह्नदय को झंकृत करता है। यही कारण है, यह सभी भक्तों के लिए अविस्मरणीय अनुभव बन जाता है। महाकुम्भ भारत की विशाल संस्कृति और पुरातन धारोहर का भव्य समागम है। जैसे एक विशाल समुद्र अपने गर्भ में अनमोल रत्नों के भण्डार और गूढ़ रहस्यों को एकत्रित कर वर्षों तक उनका संरक्षण करता है, जैसे ही यदि हम महाकुम्भ को भारत की सनातन परम्परा, धर्म,कर्म,भक्ति उपासना और दर्शन शास्त्रों की भिन्न शैलियों का संरक्षक, करें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यह भव्य समागम न केवल भारत में प्रचलित अनेक विचारधाराओं का अद्वितीय समावेश है, बल्कि एक महोत्सव है, एक प्रतीक है, एक प्रतिशब्द है भारत की अरवण्डता का, उसके गौरवमयी इतिहास का, उसकी आध्यात्मिक विरासत का। हमारे देश में मुख्य रूप से छः दर्शन है। इन अभी दर्शनों के जितने भी आचार्य, संत,ज्ञानी और दर्शन शास्त्री हैं, वे सभी लाखों की संख्या में कुम्भ मेले में एकत्रित होते हैं। कोई यम–नियम, योगासन सिखाता है, कोई वेदांत, तो कोई दान की महिमा बताता है। इस प्रकार जीवन में धर्म के संस्कारों की एक सुदृढ़ आधार शिला रखी जा सकती है। जानकारों का मत है कि काल्पवास की 45 दिन की परम्परा लोगों की प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा करती है।यह मानना है कि कुछ विशेष वजह से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। जिसमें सूक्ष्म जीवों की अदला बदली प्रमुख है । इस अदला–बदली की प्रक्रिया तब व्यापक स्तर पर होती है जब एक के बाद हजारों लोग स्नान करते हैं। इस प्रक्रिया से कल्पवासियों का प्रतिरक्षी तन्त्र मजबूत होता है। हमारे शरीर में मौजूद प्रतिरक्षी तन्त्र नए एंटीजन का प्रतिरोध करते हैं, इस क्रम में शरीर के अन्दर एंटीबाडी विकसित होते हैं। इस तरह से बीमारियों के खिलाफ शरीर मजबूत हो जाता है। मान्यता है कि महाकुम्भ के दौरान संगम में स्नान करने से आत्मा के बंधनों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष प्राप्त होता है। यह आयोजन भारतीय संस्कृति, परम्पराओं और धार्मिक आस्थाओं का जीवंत प्रतीक है। महाकुम्भ 2025 का लोगों दे रहा है संदेश – महाकुम्भ के लोगो यानी प्रतीक चिन्ह में अमृत कलश सहित, तीन साधुओं को, तीन पवित्र नदियों की धाराओं को,अक्षयवट, भू–शयनि हनुमान जी को एवं महाकुम्भ आये असंख्य श्रद्धालुओं की भीड़ को दर्शाया गया है। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम की त्रिवेणी यानि तीन पवित्र नदियों को भक्ति,ज्ञान और वैराग्य के रूप में अंकित किया गया है। जिस प्रकार भारतीय संस्कृति में ब्रह्मा, विष्णु, महेश तीनों का विशेष महत्व है, इसी तरह महाकुम्भ के लोगो में तीन साधु–महात्मा देखने को मिलते हैं। जिसमें एक शंखनाद,एक प्रणाम और एक ईश्वर को कोटि नमन करते हुए दर्शाये गये हैं। तीन साधू एक साथ महाकुम्भ का विशेष सन्देश दे रहे हैं, शंखनाद करने वाले महात्मा शुभ शुरुआत का, प्रणाम की मुद्रा वाले महात्मा अतिथि देवो भवः के महत्व का और तीसरे महात्मा ईश्वर के प्रति समर्पण को दर्शाते हैं। मानव जीवन का परम उद्देश्य सांसारिक मोह माया को छोड़कर मोक्ष की प्राप्ति करना है,।

आपत्तिजनक अफवाहों पर भड़कीं तब्बू

एक्ट्रेस की टीम ने बयान जारी करके मनगढ़ंत रिपोर्ट हटाने और माफी मांगने को कहा

एक्ट्रेस तब्बू ने अपने खिलाफ फैलाए गए आपत्तिजनक अफवाहों पर गुस्सा जाहिर किया है, जिसमें कहा गया था कि श्मुझे शादी में दिलचस्ध्पी नहीं है, बल्ध्कद्धि मुझे सिर्फ अपने बिस्ध्तर पर मर्द चाहिए।श तब्बू की टीम ने ऐसी खबरों को प्रसारित करने वाले मीडिया हाउस को फटकार लगाई है। इस मामले में तब्बू की टीम ने एक सार्वजनिक बयान जारी कध्यिा है। जिसमें उन मीडिया रिपोर्ट्स की आलोचना की है, जिनमें शादी के बारे में एक्ट्रेस के विचार पब्लिश किए थे। तब्ध्बू की टीम ने अपनी इस हरकत के लिए मीडिया हाउस से औपचारिक रूप से माफी मांगने को कहा है। न्ध्यूज एजेंसी ।छप् के मुताबिक तब्बू की टीम ने बयान में कहा– कुछ वेबसाइट और सोशल मीडिया ने तब्बू के बयान को गलत तरीके से पब्लिश किया है। इससे पाठकों को गुमराह किया जा रहा है। हम यह स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि एक्ध्ट्रेस ने कभी ऐसा कुछ नहीं कहा है। बता दें कि एक वेबसाइट ने एक्ध्ट्रेस के बारे में एक न्ध्यूज पब्लिश की थी। जिसमें यह दावा किया था कि तब्ध्बू ने कहा श्मैं शादी में दिलचस्पी नहीं रखती है और केवल एक मर्द चाहती हूं जिसके साथ मैं बिस्तर पर सो सकूं। वर्क फ्रंट की बात करें तो तब्बू हाल ही में फिल्म 'ड्यूनरू प्रॉफेसी' में सिस्टर फ्रांसेस्का के रोल को लेकर चर्चा में आईं थीं। इस समय उनके पास कई प्रोजेक्ट्स हैं। वो 25 साल के बाद अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आएंगी। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले तब्बू और अक्षय कुमार एक साथ फिल्म 'हेरा फेरी' में नजर आए थे। तब्बू की टीम ने जारी किया बयान तब्बू की टीम की ओर से जारी बयान में कहा गया, ष्प्रेस बंद करो... कई वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल हैं, जिन्होंने तब्बू के नाम पर कुछ गलत बयान दिए हैं। हम यह स्पष्ट करना चाहेंगे कि उन्होंने कभी ये उद्धरण नहीं दिए। लोगों को गुमराह करना नैतिकता का गंभीर उल्लंघन है।ष बयान जारी कर की माफी की मांग बयान में तत्काल कार्रवाई का आह्वान करते हुए कहा गया, ष्हम मांग करते हैं कि ये वेबसाइटें तुरंत मनगढ़ंत उद्धरण हटाएं और माफी मांगें।ष अभिनेत्री की टीम ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की निराधार और अपमानजनक रिपोर्टें एक कलाकार की प्रतिष्ठा को धूमिल करती हैं। इस फिल्म में जल्द आएंगी नजर वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में तब्बू ड्यूनरू प्रॉफेसी में अपने रोल को लेकर चर्चा में आईं थीं। इस समय उनके पास कई प्रोजेक्ट्स हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने फैंस को एक खुशखबरी दी कि वह 25 साल बाद अक्षय कुमार के साथ भूत बंगला में नजर आएंगी। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। दरअसल, हाल ही में छपी एक खबर में कहा गया था कि एक्ट्रेस को शादी में कोई दिलचस्पी नहीं है। लेकिन उनकी टीम का कहना है कि उनके बयान को तोड़–मरोड़कर पेश किया गया और उनकी बात का गलत मतलब निकाला गया। वहीं अब अभिनेत्री की टीम ने ऐसी गैर जिम्मेदारी पत्रकारिता पर तीखा सवाल उठाया है। तब्बू टीम ने दी चेतावनी उनकी टीम की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि "ऐसी कई वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल हैं, जिनमें तब्बू के नाम पर गलत बयानबाजी की गई है। लेकिन हम सभी को यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि उन्होंने कभी भी ये बातें नहीं कही हैं और दर्शकों को गुमराह करना नैतिकता का गंभीर उल्लंघन है।" साथ ही तब्बू की टीम उन लोगों से भी माफी की मांग की है, जिन्होंने एक्ट्रेस के नाम पर गलत तरीके से कुछ अशोभनीय बयान दिए हैं। टीम ने अपने बयान में आगे कहा कि, "हम चाहते हैं कि ये वेबसाइटें अपने मनगढ़ंत उद्धरण तुरंत हटा दें और अपने कार्यों के लिए औपचारिक माफी मांगें।"

एक्ट्रेस का वर्कफ्रंट इसी बीच अगर एक्ट्रेस की वर्कफ्रंट की बात करें, तो तब्बू इन दिनों अक्षय कुमार के साथ फिल्म भूत बंगला की शूटिंग में बेहद व्यस्त हैं, जिसमें परेश रावल भी नजर आने वाले हैं। भूत बांग्ला लंबे अंतराल के बाद प्रियदर्शन और अक्षय कुमार के पुनर्मिलन का प्रतीक है। यह जोड़ी इससे पहले 'हेरा फेरी', भागम भाग, गरम मसाला, दे दना दन और भूल भुलैया जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुके है।

मीडिया पर क्यों भड़की एक्ट्रेस? दरअसल, हाल ही में एक डिजिटल वेबसाइट पर तब्बू की शादी को लेकर कहा गया था कि एक्ट्रेस को शादी में कोई दिलचस्पी नहीं है। लेकिन उनकी टीम का कहना है कि उनके स्टेटमेंट को गलत तरीके से सामने रखा गया है और उनकी कही हुई बात का ये मतलब नहीं था। एक्ट्रेस मीडिया की इस हरकत से काफी नाराज हैं। वहीं अब अभिनेत्री की टीम ने ऐसी गैर जिम्मेदारी पत्रकारिता करने वालों को टारगेट किया है। तब्बू टीम ने दी लोगों को वार्निंग उनकी टीम की तरफ से जारी किए बयान में कहा गया है, श्ऐसी कई वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल हैं, जिनमें तब्बू के नाम पर गलत बयानबाजी की गई है। लेकिन हम सभी को यह साफ करना चाहते हैं कि उन्होंने कभी भी ये बातें नहीं कही है और दर्शकों को गुमराह करना नैतिकता का गंभीर उल्लंघन है।श साथ ही तब्बू की टीम उन लोगों से भी माफी की भी मांग की है, जिन्होंने एक्ट्रेस के नाम पर ऐसी खराब बात करने की कोशिश की और उनके बयान को पूरी तरह से बदल दिया। टीम ने अपने बयान में आगे कहा, श्हम चाहते हैं कि ये वेबसाइटें अपने मनगढ़ंत उद्धरण तुरंत हटा दें और अपनी हरकत पर ऑफिशियली माफी मांगें।श

एक्ट्रेस का वर्क फ्रंट तब्बू के वर्क फ्रंट की बात करें तो आखिरी बार उन्हें हॉलीवुड फिल्म ड्यूनरू पार्ट टू में देखा गया था। इसके अलावा वो इन दिनों अक्षय कुमार के साथ फिल्म भूत बंगला की शूटिंग में कर रही हैं। इस फिल्म में अक्षय, तब्बू के अलावा परेश रावल भी नजर आने वाले हैं। भूत बांग्ला कई सालों के गैप के बाद प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही फिल्म हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी एक्साइटमेंट देखने को भी मिल रही है।

मलाइका अरोड़ा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा से सुर्खियों का हिस्सा बनी रहती हैं. अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद बॉलीवुड डीवा अपनी लाइफ में आगे बढ़ रही हैं. ऐसे में उनकी एक बार फिर एक्स बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर से मुलाकात हुई है. मलाइका अरोड़ा दोस्त सीमा सिंह की बेटी मेघना सिंह की सगाई में पहुंची थीं. इंगेजमेंट सेरेमनी में मलाइका रेड कलर की साड़ी पहनकर पहुंची थीं. इस साड़ी नें वो बला की खूबसूरत लग रही थीं. मलाइका के लुक से किसी की नजर ही नहीं हट रही है. जहां मलाइका अपने लुक के कहर ढा रही थीं वहीं अर्जुन कपूर ने भी ब्लैक सूट पहना था. वो भी काफी हैंडसम लग रहे थे. मलाइका के लुक की खूब तारीफ हो रही है. फैंस उनकी फोटोज और वीडियो पर ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. लाल साड़ी में मलाइका अरोड़ा ने लूट ली महफिल, ब्रेकअप के बाद फिर एक्स अर्जुन कपूर से हुई मुलाकात फैंस हुए दीवाने मलाइका के लुक की बात करें तो उन्होंने रेड प्लेन साड़ी के साथ प्लंगिंग ब्लाउज और स्टेटमेंट ज्वैलरी कैरी की थी. ओपन हेयर और हाथों में बैंगिल्स में मलाइका बहुत ज्यादा प्यारी लग रही थीं. उनकी वीडियो पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा–उन्हें अक्सर साड़ी पहननी चाहिए. वहीं दूसरे ने लिखा– रेड हॉट वुमेन. एक ने लिखा– इतने टाइम में आज सुंदर लग रही है. वहीं कुछ फैंस फायर इमोजी पोस्ट कर रहे हैं. मलाइका और अर्जुन को हाल ही में लीलावती अस्पताल में साथ देखा गया था. दोनों सैफ अली खान से मिलने के लिए गए थे. मलाइका और अर्जुन दोनों ही कपूर सिस्टर्स के साथ खास बॉन्ड शेयर करते हैं. बता दें मलाइक और अर्जुन ने साल 2018 से डेट करना शुरू किया था. दोनों सोशल मीडिया पर एक–दूसरे के साथ रोमांटिक फोटोज भी शेयर करते रहते थे. मलाइका और अर्जुन की फोटोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल होती थीं. इस कपल का रिश्ता साल 2024 में खत्म हो गया है. ब्रेकअप के बाद भी अर्जुन हमेशा मुश्किल समय में मलाइका के साथ खड़े रहे हैं.

रोडीज का नया सीजन 11 जनवरी से ऑन एयर हुआ है। हाल ही में शो का एक प्रोमो सामने आया है, जिसमें गैंग लीडर रिया चक्रवर्ती को दूसरी गैंग लीडर नेहा धूपिया को गाली देते देखा गया है। इसके चलते दोनों में लड़ाई हो गई है। रिया ने नेहा को कहा– कमीनी एक टास्क के दौरान रिया ने नेहा से कहा– तुम जिस गेम को 2 बार जीती हो, उसकी कोच मैं हूं। जवाब में नेहा ने कहा कि कोच तो गेम खेलते ही नहीं हैं। इस पर रिया ने कहा– बड़ी कमीनी है ये तो। फिर नेहा ने उनपर पलटवार किया और कहा– अपनी लैंग्वेज पर ध्यान दो। दोनों की इस तरह के बातचीत से पूरा माहौल गरमा गया और बहसबाजी शुरू हो गई। बाकी दूसरे गैंग लीडर भी दंग रह गए। शो में नेहा ने दिया था विवादित बयान यह पहली बार नहीं है जब गैंग लीडर्स का ऐसा रिएक्शन देखने को मिला है। इससे पहले नेहा धूपिया अपने एक बयान के चलते सुर्खियों में आई थीं। दरअसल, उन्होंने एक कंटेस्टेंट को उसकी गर्लफ्रेंड को थप्पड़ मारने के लिए फटकार लगाई थी। जबकि लड़के की गर्लफ्रेंड ने उसे कई बार धोखा दिया था। इस पर नेहा का कहना था– तो क्या हुआ, यह उसकी मर्जी है। नेहा हुई थीं ट्रोलिंग का शिकार, देनी पड़ी थी सफाई अपने इस बयान की वजह से नेहा को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। ट्रोलिंग इतनी बढ़ गई थी कि नेहा को सोशल मीडिया के जरिए इस बयान पर सफाई देनी पड़ी थी।

पलक तिवारी ने लहंगे में दिखाई ऐसी किलर अदाएं, फैंस बोले – हॉटनेस ओवरलोडेड

पलक तिवारी डार्क ग्रे कलर के लहंगे में किसी अप्सरा सी हसीन लग रहीं हैं, जिनमें उनकी कातिल अदाएं फैंस के दिलों को घायल करती नजर आ रहीं...

उर्फी जावेद ने ब्लैक ट्रांसपेरेंट मिनी ड्रेस में पपराजी को दिए किलर पोज

उर्फी जावेद ने अपनी हालिया तस्वीरों में ब्लैक कलर की जालीदार आउटफिट के ऊपर एक व्हाइट कलर का शॉर्ट टॉप पहना...

अजीब कैप्शन के साथ जैकलीन फर्नांडीज ने शेयर कीं तस्वीरें, जमीन पर बैठ दिए ऐसे पोज

जैकलीन फर्नांडीज ने अपने इस स्पोर्टी लुक को ब्राउन कैप और स्पोर्ट्स शूज के साथ एक्सेसराइज किया और कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज...

केले के साथ मिलाकर लगाएं ये चीजें, त्वचा होगी डीप क्लीन

हम सभी चाहते हैं कि हमारी त्वचा हमेशा हेल्दी और चमकती हुई नजर आए और इसके लिए हम आए दिन अपनी स्किन केयर रुटीन की तरह–तरह के बदलाव करना पसंद करते हैं। वहीं चेहरे की त्वचा को ग्लोइंग बनाने के लिए आपको कई तरह के प्रोडक्ट्स मार्केट में मिल जाएंगे, लेकिन इन प्रोडक्ट्स में मौजूद केमिकल्स आपकी त्वचा को बेजान बना सकते हैं। इसलिए आज हम आपको बताने वाले हैं एक ऐसे फल के बारे में जो बेहद आम, लेकिन

आपकी त्वचा के लिए है बहुत ज्यादा फायदेमंद। हम बात कर रहे हैं केले की। बता दें कि केले को आप अपनी त्वचा पर कई तरह से इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आप भी जानना चाहती हैं तो इस स्टोरी को आखिर तक जरुर पढ़ें....

केले के फायदे

केले का इस्तेमाल स्किन को टाइट करने के लिए किया जाता है। चेहरे की त्वचा को इलास्टिसिटी देने के लिए केला बेहद मददगार साबित होता है। साथ ही इसमें विटामिन–सी भरपूर मात्रा में मौजूद होती है, जो झुर्रियों को कम करने में मदद करती हैं। केले में मौजूद एंटी–ऑक्सीडेंट्स त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है।

ऐसे करें डीप क्लीन

चेहरे की त्वचा को साफ करने के लिए आप केले से बनी स्क्रब का इस्तेमाल कर सकती हैं। बता दें कि स्क्रब को बनाने के लिए आप केले में जरुरत अनुसार चीनी और शहद मिला सकती हैं। इसके अलावा आप चाहे तो केले में मैश किए हुए ओट्स और शहद को मिलाकर भी चेहरे पर लगा सकती हैं।

फेस पैक के लिए

केले से फेस पैक बनाने के लिए आप इसमें कई नेचुरल इन्ग्रेडिएन्ट्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। बता दें कि केले के साथ आप कई फ्रूट्स जैसे पपीता और अनार को मिलाकर चेहरे पर लगा सकती हैं। इसके अलावा स्किन को लचीला और चमकदार बनाने के लिए आप केले में शहद और विटामिन–ई की कैप्सूल को मिला सकती हैं। साथ ही अगर आप त्वचा को ग्लोइंग बनाने के साथ–साथ मॉइस्चराइज करना चाहती हैं तो केले में दूध मिलाकर लगा सकती हैं।

सर्दियों में रहना चाहते हैं फिट तो बनाकर पिएं गाजर का सूप

सर्दियों में गाजर बाजारों में आसानी से मिलती है। इससे कई तरह की रेसिपीज भी बनाकर खाई जाती हैं जैसे गाजर का हलवा, गाजर का सलाद, कच्चा गाजर आदि। लेकिन ठंड के मौसम में यदि आप कुछ गर्मा–गर्म पीना चाहते हैं तो गाजर का सूप बनाकर पी सकते हैं। यह सूप एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर

होता है जो आपके शरीर को हैल्दी रखने में मदद करता है। तो चलिए जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी के बारे में...

सामग्री

गाजर – 200 ग्राम
प्याज – 2 कटे हुए
लहसुन – 4–5 कलियां
अदरक – 1 टुकड़ा
वेजिटेबल ऑयल – 2 चम्मच
साबुत काली मिर्च – पिसी हुई 2 चम्मच
नमक – स्वादअनुसार
क्रीम – 2 चम्मच
पानी – जरुरतअनुसार

बनाने की विधि

1. सबसे पहले गाजर को धोकर अच्छे से साफ कर लें। फिर इसे काटकर कुकर में थोड़ा सा पानी डालकर उबालें।
2. जब गाजर उबल जाए तो गाजर और पानी अलग–अलग बर्तन में निकालकर रख लें।
3. फिर मिक्सी में उबाली हुई गाजर को पीसकर पेस्ट तैयार कर लें।
4. एक पैन गैस पर रखें और उसमें तेल डालें।
5. प्याज, लहसुन, अदरक बारीक–बारीक काटकर तेल में भून लें।
6. जैसे यह सारी चीजें भून जाए तो प्याज भी हल्का ब्राउन डालकर भूनें।
7. आपकी प्यूरी बनकर तैयार हो गई है इसे 5–10 मिनट के लिए पका लें।
8. इस बात का ध्यान रखें कि सूप गाढ़ा न हो। यदि सूप गाढ़ा है तो इसमें पानी मिला दें।
9. फिर मिश्रण में पानी और नमक डालकर मिक्स कर लें। 1–2 मिनट के लिए मिश्रण को उबालें और गैस बंद कर दें।
10. अब सूप को एक बाउल में निकालें और ऊपर से काली मिर्च पाउडर डालकर गर्मा–गर्म सर्व करें।

आउटडोर एक्विटीज से क्यों भाग रहे हैं बच्चे ? लड़कियों के मुकाबले लड़के कम हैं एक्टिव

शारीरिक निष्क्रियता वैश्विक स्तर पर मौतों की चौथी सबसे बड़ी वजह है। विभिन्न अध्ययनों में शारीरिक निष्क्रियता के दीर्घकालिक बीमारियों और अक्षमता से गहरे संबंध भी पाए गए हैं। एक हालिया अनुसंधान में आशंका जताई गई है कि अगर लोग शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय नहीं होंगे, तो 2030 तक वैश्विक स्तर पर प्रमुख दीर्घकालिक बीमारियों से ग्रसित लगभग 50 करोड़ नए मरीज सामने आ सकते हैं। टहलना, साइकिल चलाना या पसंदीदा खेल खेलना शारीरिक रूप से सक्रिय रहने का सबसे आसान और कारगर तरीका है। नियमित रूप से इन गतिविधियों का अभ्यास करने से कई दीर्घकालिक बीमारियों से बचाव और निदान में मदद मिलती है।

रोजाना 60 मिनट तक करना चाहिए व्यायाम

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पांच से 17 साल तक के बच्चों और किशोरों को रोजाना औसतन 60 मिनट तक मध्यम या तीव्र स्तर का व्यायाम करने की सलाह देता है। व्यायाम में कम से कम तीन दिन तीव्र एअरोबिक गतिविधियों के अलावा हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाली कसरत जरूर शामिल की जानी चाहिए। इसके अलावा, बच्चों और किशोरों को स्क्रीन (टेलीविजन, कंप्यूटर, स्मार्टफोन) पर दिनभर में दो घंटे से अधिक समय गुजारने की छूट नहीं दी जानी चाहिए। इन उपायों का मकसद न सिर्फ बच्चों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखना है, बल्कि उनकी बौद्धिक क्षमता में सुधार लाना भी है। कोविड–19 महामारी की दस्तक के पहले से ही बच्चों और किशोरों की शारीरिक सक्रियता का स्तर डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित मानक से कम था। वर्ष 2016 में दुनियाभर में 11 से 17 साल के 81 फीसदी बच्चे शारीरिक रूप से असक्रिय माने जाते थे। लड़कियां, लड़कों के मुकाबले ज्यादा असक्रिय थीं।

महामारी के बाद बिगड़े हालात

महामारी ने स्थितियां और बिगाड़ दी हैं। बच्चों और किशोरों में शारीरिक निष्क्रियता वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता बन गई है। इसे अब वैश्विक कार्य योजनाओं में शामिल किया गया है। ‘एक्टिव हेल्दी किड्स ग्लोबल एलायंसश ने हाल ही में एक अध्ययन प्रकाशित किया है, जो बच्चों और किशोरों में शारीरिक सक्रियता के स्तर का व्यापक मूल्यांकन करता है। अक्टूबर 2022 में प्रकाशित इस शोध में कोविड–19 से पहले और उसके प्रकोप के दौरान जुटाया गया डेटा शामिल किया गया है। इसमें पाया गया है कि बच्चों और किशोरों में शारीरिक सक्रियता के स्तर में कोई सुधार नहीं आया है। वैश्विक स्तर पर लगभग एक–तिहाई बच्चे और किशोर ही पर्याप्त शारीरिक गतिविधियां करते हैं। जबकि, एक–तिहाई से थोड़े अधिक बच्चे और किशोर ही बेहतर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए अनुशंसित स्क्रीन टाइम का पालन करते हैं।

कोविड का असर

अध्ययन में शामिल ज्यादातर विशेषज्ञ इस बात से सहमत थे कि बचपन की शारीरिक निष्क्रियता एक सतत सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है और कोविड–19 महामारी ने इसे और भी बदतर बना दिया है। 90 फीसदी से ज्यादा विशेषज्ञों ने कहा कि कोविड–19 का बच्चों की सक्रियता, खेल–कूद और शारीरिक गतिविधियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। महामारी की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन के दौरान स्कूल और पार्क बंद कर दिए गए, जिससे बच्चों की शारीरिक सक्रियता प्रभावित हुई। एक अध्ययन से पता चला कि महामारी के दौरान बच्चों की मध्यम से तीव्र गति की शारीरिक सक्रियता में रोजाना 17 मिनट की कमी आई। यह रोजाना के लिए निर्धारिक मानक (60 मिनट) का लगभग एक–तिहाई समय है। एक अन्य अध्ययन में देखा गया कि कोविड–19 संबंधी प्रतिबंध लागू किए जाने के 30 दिन बाद लोगों द्वारा रोजाना चले जाने वाले कदमों में औसतन 27.3 प्रतिशत की कमी आ गई। यह अध्ययन 187 देशों में किया गया था।

कहां किया गया अध्ययन

हमारे अध्ययन में चार अफ्रीकी देश–बोत्सवाना, इथियोपिया, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे शामिल थे। इसमें बच्चों और किशोरों को ‘एश से लेकर ‘एफश तक ग्रेड दिए गए। ‘एश ग्रेड का मतलब था कि 94 से 100 प्रतिशत बच्चे और किशोर अनुशंसित स्तर पर खरे उतरते थे। वहीं, ‘एफश ग्रेड का अर्थ था कि 20 फीसदी से भी कम बच्चे और किशोर निर्धारित मानक को पूरा करते हैं। चारों अफ्रीकी देशों के बच्चे और किशोर दुनिया के बाकी हिस्सों के बच्चों और किशोरों के मुकाबले शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय थे। उन्हें ‘सीश ग्रेड हासिल हुआ, जिसका मतलब है कि 47 से 53 फीसदी बच्चे और किशोर अनुशंसित मानक पर खरे उतरते हैं। वहीं, बाकी दुनिया को ‘डीश ग्रेड दिया गया, जिसका अर्थ है कि 27–33 प्रतिशत बच्चे और किशोर ही निर्धारित मानक को पूरा करते हैं। इन चार अफ्रीकी देशों के अधिक बच्चे सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करते थे (बी– ग्रेड, 60 से 66 फीसदी), उनमें निष्क्रियता का स्तर कम था (सी– ग्रेड, 40 से 46 प्रतिशत) और वे शारीरिक रूप से ज्यादा फिट थे (सी़ ग्रेड, 54 से 59 फीसदी), जबकि शेष दुनिया के बच्चों और किशोरों को इन मामलों में क्रमशरू सी–, डी़ और सी– ग्रेड हासिल था। अफ्रीकी देशों का प्रदर्शन बेहतर होने की वजह वहां के बच्चों और किशोरों का शारीरिक सक्रियता पर ध्यान देना नहीं है। बल्कि इसके लिए बुनियादी सुविधाओं की कमी और वित्तीय चुनौतियां जिम्मेदार हैं, जिसके चलते बच्चों को पैदल चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

आगे का रास्ता

हमें बच्चों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। स्कूलों में लंच ब्रेक के दौरान बच्चों को खेलने–कूदने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उनके लिए पाठ्येतर गतिविधियां संचालित की जानी चाहिए। इसके अलावा, सरकारों को मुक्त एवं सुरक्षित सार्वजनिक स्थल, हरित क्षेत्र, मैदान और खेल प्रतिष्ठान उपलब्ध कराने पर जोर देना चाहिए।

(तारु मनयांगा,यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्दर्न ब्रिटिश कोलंबिया, चलचीसा अबडेटा, यूनिवर्सिटी ऑफ वोलोनगॉन्ग, डॉन तलाडी, बोत्सवाना विश्वविद्यालय और रोवेना नायडू, क्वाजूलू–नटाल विश्वविद्यालय)

पेट की चर्बी से लेकर डायबिटिज कंट्रोल करेंगे ये 5 योगासन, जानिए इनके फायदे

स्वस्थ शरीर के लिए योगा बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। व्यायाम करने का सबसे सही समय सुबह का माना जाता है। सुबह योग करने से स्वास्थ्य को कई तरह के फायदे होते हैं साथ ही आपका शरीर पूरा दिन एनर्जी से भरपूर रहता है। परंतु बहुत से लोग इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि ऐसे कौन से योगासन हैं जिन्हें आप सुबह रुटीन में कर सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कुछ ऐसे योगासन जिन्हें आप सुबह कर सकते हैं...

अर्धमत्स्येन्द्रासन

यह आसन डायबिटीज रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। खासकर यह आसन डायबिटीज रोगियों की शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है। नियमित तौर पर इस आसन को करने से पीठ, गर्दन, हाथ, छाती में खिंचाव आता है। दर्द दूर करने में भी यह आसन बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। यह शरीर का लचीलापन बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ जोड़ों के दर्द से भी राहत दिलवाने में मदद करता है।

दंडासन

दंडासन सांस संबंधी समस्याओं से लड़ रहे रोगों के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। यह आसन फेफड़ों की क्रिया सुधारने में मदद करता है। इसके अलावा अस्थमा जैसी बीमारी में भी यह आसन बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसके अलावा मांसपेशियां, नसों में दर्द, साइटिका दर्द कम करने के लिए भी दंडासन बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। चिंता और तनाव कम करने के साथ–साथ यह मस्तिष्क स्वस्थ रखने में भी मदद करता है। इसके अलावा यदि आपको रीढ़ की हड्डियों से संबंधी समस्या है तो भी आप दंडासन को अपनी डेली रुटीन में शामिल कर सकते हैं।

नौकासन

नौकासन वेट लॉस और पेट की चर्बी कम करने में मदद करता है। इसके अलावा यह मांसपेशियों में होने वाले दर्द से भी राहत दिलवाने में और मांसपेशियां मजबूत करने में मदद करता है। इसके अलावा पेट की मांसपेशियों को टोन करने में मदद करता है रीढ़ की हड्डियों में होने वाले दर्द से भी राहत दिलवाने में नौकासन मदद करता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और कमर से लेकर गर्दन की मांसपेशियों को स्ट्रेच करता है, दर्द में भी आराम दिलवाने में यह आसन मदद करता है। डायबिटीज रोगियों का ब्लड शुगर कंट्रोल करने में भी नौकासन बहुत ही फायदेमंद माना जाता है।

पश्चिमोत्तानासन

यदि आपको नींद से संबंधी कोई समस्या है तो आप पश्चिमोत्तानासन कर सकते हैं। यह आलस और थकान दूर करने में भी मदद करता है। साथ ही इस आसन को करने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। चिंता, तनाव और अवसाद जैसी मानसिक स्थितियों के लिए यह आसन बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। साथ ही पेट संबंधी बीमारियां ठीक करने और वजन कम करने में भी पश्चिमोत्तानासन बहुत ही फायदेमंद माना जाता है।

विपरित करनी आसन

यह आसन पैरों में दर्द, सिर दर्द, पेट में ऐंठन जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इसके अलावा पीरियड्स के दौरान होने वाले ऐंठन को भी कम करने में यह आसन मदद करता है। यदि आपको अनिद्रा की समस्या है तो भी आप इस आसन को अपनी रुटीन में शामिल कर सकते हैं।

दिल्ली ने रेलवे को पारी से हराया, विराट कोहली को नहीं मिला दूसरी पारी में खेलने का मौका

ऑफ स्पिनर शिवम शर्मा के पांच विकेट की बदौलत दिल्ली ने शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी लीग में अपने अभियान का अंत रेलवे पर पर बोनस अंक की जीत दर्ज करके किया। दिन की शुरुआत सात विकेट पर 334 रन से करने वाली दिल्ली ने पहली पारी में 374 रन बनाकर 133 रन की बढ़त हासिल की। रेलवे के बल्लेबाजों ने कुछ लापरवाही भरे शॉट खेले जिससे मैच परिणाम जल्दी निकल गया। दोपहर के सत्र में रेलवे की टीम 30.4 ओवर में 114 रन पर ऑल आउट हो गई और उसे पारी तथा 19 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से दिल्ली को बोनस सहित सात अंक मिले। इस नतीजे से दर्शक मैच में दूसरी बार स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को बल्लेबाजी करते हुए देखने से महरूम हो गए। दिल्ली के लिए सुमित माथुर (86) रात के 78 रन को शतक में तब्दील नहीं कर सके क्योंकि दूसरे दिन कोहली का विकेट झटकने वाले हिमांशु सांगवान ने उन्हें पगबाधा आउट किया और चार विकेट चटकाए। दिल्ली की यह इस सत्र की दूसरी जीत थी।एलीट ग्रुप डी से नॉकआउट में जगह बनाने की टीम की संभावना अन्य मैचों के नतीजों पर निर्भर करेगी। इस मैच में सिर्फ एक खिलाड़ी कोहली ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया था जिन्होंने 13 साल बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी की। दर्शकों को दूसरी पारी में कोहली को देखने का मौका नहीं मिला क्योंकि रेलवे के बल्लेबाज धीमी पिच पर जल्दी आउट हो गए। पूर्व भारतीय कप्तान कोहली दूसरे दिन पहली पारी में केवल 15 गेंद खेलकर छह रन बनाने के बाद आउट हो गए थे। दिल्ली के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सिद्धांत शर्मा की इनस्विंगर पर सूरज आहूजा के आउट होने के बाद रेलवे ने लगातार विकेट गंवा दिए। उनके सलामी जोड़ीदार विवेक सिंह (12) ने सिद्धांत की गेंद

पर एक शानदार कवर ड्राइव लगाया लेकिन अति–आक्रामकता के कारण वह शिवम की गेंद पर आउट हो गए। थोड़ी देर बाद मोहम्मद सैफ (31 गेंद पर 31 रन) भी शिवम की गेंद पर आउट हो गए। सिद्धांत ने इनस्विंगर पर सूरज आहूजा को आउट किया। दिल्ली को भी उम्मीद नहीं थी कि मैच इतनी जल्दी खत्म हो जाएगा। नवदीप सैनी ने भार्गव मेराई को आउट करके स्कोर चार विकेट पर 57 रन कर दिया। रेलवे की पहली पारी के स्टार बल्लेबाज उपेंद्र यादव (19) मनी ग्रेवाल की इनकमिंग बॉल पर आउट हो गए। दिल्ली के कप्तान आयुष बडोनी ने दसवें नंबर के बल्लेबाज कुणाल यादव को आउट किया जिसके बाद 11वें नंबर के बल्लेबाज अंचित यादव बल्लेबाजी के लिए नहीं आए जिसके बाद मैच खत्म हो गया। कोहली ने साथी खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में काफी समय बिताया, हाथ मिलाया और तस्वीरें खिंचवाईं। वह विपक्षी टीम के खिलाड़ियों से मिलने के लिए रेलवे के ड्रेसिंग रूम में भी गए।

एप्पल ने भारत में रिकॉर्ड बिक्री की, आईफोन चार्ट में सबसे ऊपर

भारत के स्मार्टफोन बाजार में बीते वर्ष यानी 2024 में आईफोन की 23 फीसदी हिस्सेदारी रही है। वहीं चीन की स्मार्टफोन कंपनी वीवो इसमें सबसे ऊपर रही है। ये जानकारी शोध फर्म काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट में सामने आई है। इसी बीच एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक ने भी बड़ी जानकारी साझा की है। एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी ने अक्टूबर–दिसंबर की अवधि में भारत में रिकॉर्ड तिमाही बिक्री दर्ज की है। इस दौरान आईफोन भारत में सबसे अधिक बिकने वाला स्मार्टफोन मॉडल बन गया। कुक ने कंपनी की आय कॉल के दौरान कहा, ''इस तिमाही में भारत में आईफोन सबसे ज़्यादा बिकने वाला मॉडल रहा और यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाज़ार है और पीसी और टैबलेट के लिए तीसरा सबसे बड़ा बाज़ार है, इसलिए यह एक बहुत बड़ा बाज़ार है और इन बाज़ारों में हमारी हिस्सेदारी बहुत मामूली है, इसलिए मुझे लगता है कि यहाँ बहुत कुछ होने वाला है और यह उभरते हुए बाज़ारों में से एक है।'' विश्लेषकों ने कहा कि यह पहली बार है जब आईफोन भारत में सबसे ज़्यादा बिकने वाला स्मार्टफोन मॉडल बन गया है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के शोध निदेशक तरुण पाठक ने कहा, ''भारत में अक्टूबर–दिसंबर तिमाही के दौरान आईफोन 15 सबसे ज़्यादा बिकने वाला मॉडल रहा है।'' यह कंपनी बिक्री और शिपमेंट पर नज़र रखती है। कुक ने आगे कहा कि कैंटर द्वारा हाल ही में किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, दिसंबर तिमाही के दौरान अमेरिका, शहरी चीन, भारत, यूके, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और जापान में आईफोन सबसे ज़्यादा बिकने वाला मॉडल था। काउंटरपॉइंट रिसर्च ने गुरुवार को कहा कि दिसंबर तिमाही में वॉल्यूम के मामले में एप्पल पहली बार शीर्ष पांच हैंडसेट निर्माताओं में शामिल हुआ, एक ही तिमाही में रिकॉर्ड शिपमेंट हासिल किया और 2024 को उच्चतम बाजार मूल्य हिस्सेदारी के साथ समाप्त किया। शोधकर्ता ने कहा कि मूल्य के मामले में 2024 में भारतीय स्मार्टफोन बाजार में एप्पल लगातार दूसरे साल सबसे आगे रहेगा। काउंटरपॉइंट डेटा के अनुसार, 2024 में एप्पल का मूल्य हिस्सा 23प्रतिशत था, उसके बाद सैमसंग 22प्रतिशत, वीवो 16प्रतिशत, ओप्पो 14प्रतिशत और श्याओमी 9प्रतिशत पर था। वॉल्यूम या शिप की गई इकाइयों की संख्या के हिसाब से, वीवो 2024 में 19प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारतीय स्मार्टफोन बाजार में सबसे आगे रहेगा, उसके बाद श्याओमी 17प्रतिशत, सैमसंग 16प्रतिशत और ओप्पो 15प्रतिशत पर रहेगा। काउंटरपॉइंट डेटा से पता चलता है कि अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में, वीवो ने 20प्रतिशत वॉल्यूम शेयर के साथ बाजार में बढ़त हासिल की, उसके बाद श्याओमी 16प्रतिशत, सैमसंग 15प्रतिशत, ओप्पो 14प्रतिशत और एप्पल 11प्रतिशत पर रहा। कुक ने अर्निंग कॉल में कहा कि एप्पल ष्भारत को लेकर खास तौर पर उत्सुक हैष। उन्होंने कहा कि भारत ने दिसंबर तिमाही के दौरान रिकॉर्ड बनाया है और कंपनी चार नए स्टोर खोल रही है। एप्पल वर्तमान में भारत में कंपनी के स्वामित्व वाले दो स्टोर संचालित करता है, एक मुंबई और एक नई दिल्ली में।? कुक ने कहा कि अप्रैल में एप्पल भारत के लिए स्थानीयकृत अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं में एप्पल इंटेलिजेंस लाएगा। एप्पल को भारत में एंटरप्राइज सेगमेंट से भी मजबूत मांग देखने को मिल रही है। उदाहरण के लिए, कंपनी ने कहा कि ज़ोमैटो ने नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अपने कर्मचारियों में हज़ारों मैक (कंप्यूटर) तैनात किए हैं।

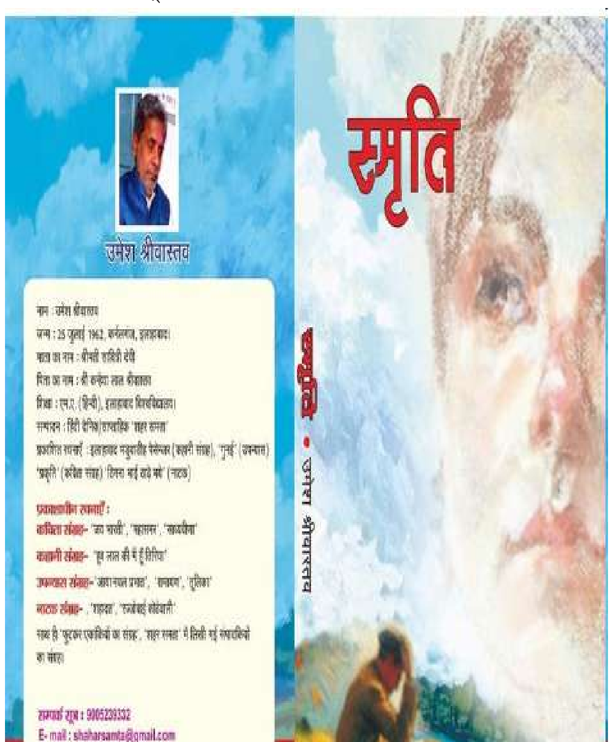

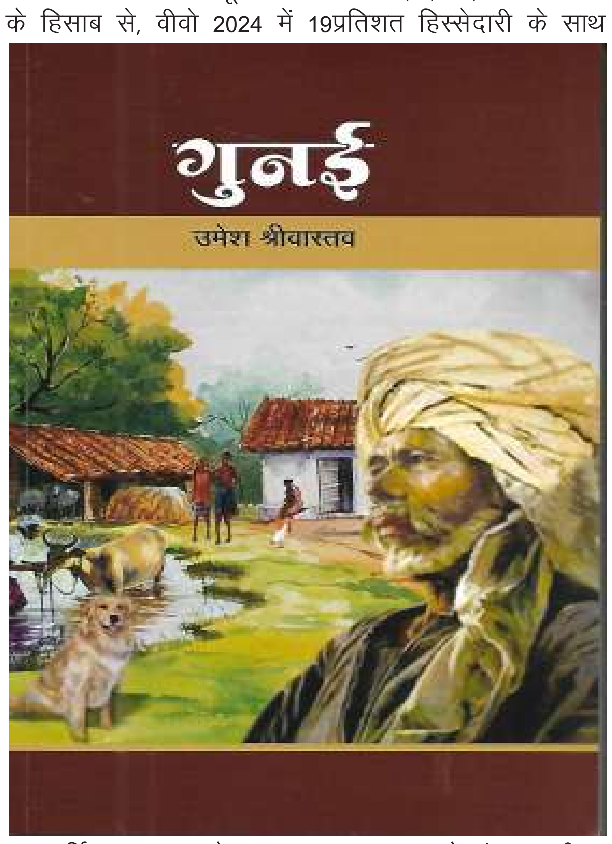

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

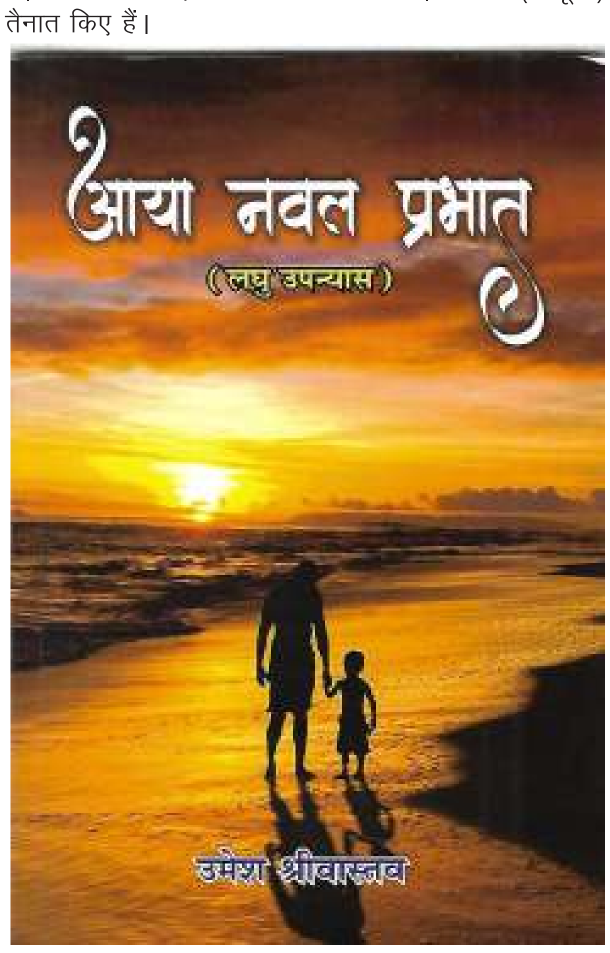

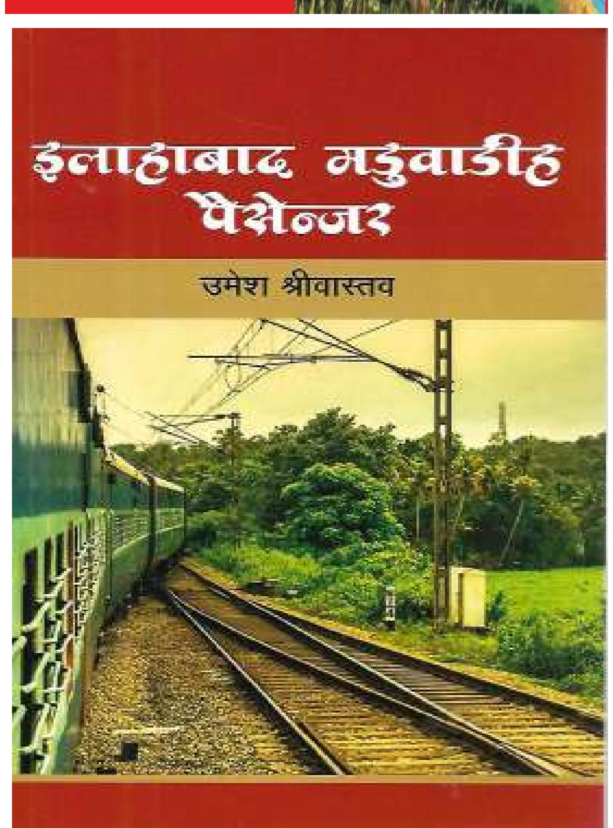

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

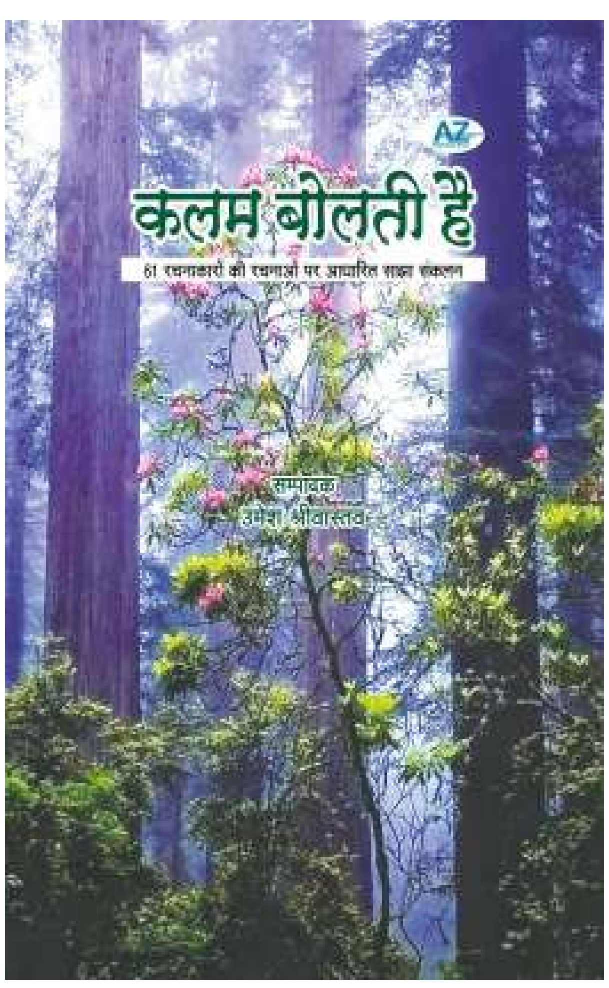

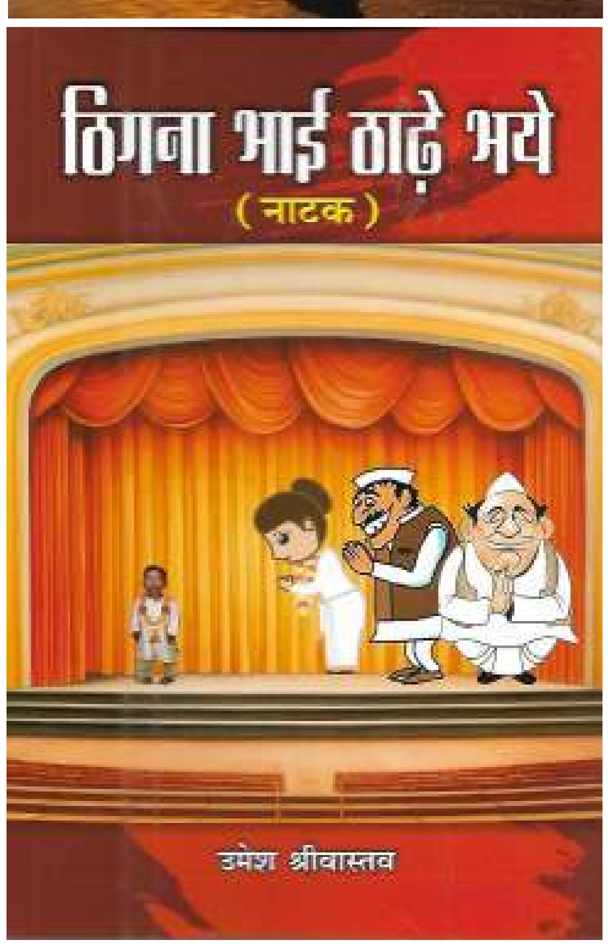

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बजट से ठीक पहले गैस कीमतों में आई गिरावट, आम जनता को मिली राहत

कुछ ही समय में देश का आम बजट पेश होने वाला है। इस बजट के आने से कई लोगों को खुशखबरी की उम्मीद है। देश की जनता को गैस की कीमतों में राहत मिली है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमत में गिरावट की है। नई कीमतें शनिवार देर रात से लागू हो चुकी है। एक फरवरी से जनता को नई और घटी हुई कीमत पर सिलेंडर मिलेगा। कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत को सात रुपए कम कर दिया है। अब देश के कई शहरों में 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर सस्ता हो गया है। तेल कंपनियाँ नियमित रूप से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों और अन्य कारकों में बदलाव के आधार पर एलपीजी की कीमतों में संशोधन करती हैं। घरेलू रसोई गैस सिलेंडर, जिसका उपयोग घरों में खाना पकाने के लिए किया जाता है, की कीमतें इस संशोधन में अपरिवर्तित रहती हैं। दिसंबर में तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 62 रुपये की बढ़ोतरी की थी। इन मूल्य समायोजनों से वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और छोटे व्यवसायों पर असर पड़ने की उम्मीद है जो अपने संचालन के लिए एलपीजी पर बहुत अधिक निर्भर हैं। यह संशोधन वैश्विक बाजार की बदलती परिस्थितियों के जवाब में ईंधन मूल्य समायोजन में व्यापक प्रवृत्ति के हिस्से के रूप में आता है, जो हाल के दिनों में अस्थिर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के कारण देखा गया है। इस मूल्य संशोधन का सीधा असर रेस्तरां, होटल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर पड़ेगा जो दैनिक कार्यों के लिए इन सिलेंडरों का उपयोग करते हैं। वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में वृद्धि के बावजूद, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे परिवारों को कुछ राहत मिली है। स्थानीय करों और परिवहन लागत के आधार पर एलपीजी की कीमतें अलग–अलग राज्यों में अलग–अलग होती हैं। देश भर के व्यवसायों को कम दरों से लाभ होगा, हालांकि यह बदलाव मामूली है।

बजट से पहले शेयर मार्केट में हुई बल्ले बल्ले, सेंसेक्स–निफ्टी में उछाल

देश का बजट पेश होने में कुछ ही समय शेष रह गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में 11 बजे बजट पेश करने वाली है। इस बजट से देश की जनता कोई कई उम्मीदें है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का ये पहला बजट है। इसके साथ ही निर्मला सीतारमण लगातार आठवीं बार बजट पेश करने वाली है। बजट पेश होने से पहले घरेलू शेयर बाजार में काफी रौनक देखने को मिल रहा है। शेयर मार्केट में शनिवार को दमदार शुरुआत की है। बीएसई सेंसेक्स 877.20 अंक या 1.14 फीसदी चढ़कर 77,637 पर खुला है। वहीं एनएसई निफ्टी 20.2 अंक की बढ़त के साथ 23,528.60 अंक पर रहा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से आईटीसी होटल्स, इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट और एनटीपीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक, नेस्ले, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में शनिवार को छुट्टियों की वजह से बंद रहे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76.76 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,188.99 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

एससी–एसटी महिला उद्यमियों के लिए नई योजना, पांच वर्षों में 2 करोड़ रुपये तक का टर्म लोन मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को लोकसभा में बजट पेश किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार पहली बार उद्यम शुरू करने वाली पांच लाख महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के लिए दो करोड़ रुपये का ऋण शुरू करेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी में बीते कुछ वर्षों में बड़ा इजाफा हुआ है। हालांकि महिला उद्यमियों के लिए लोन योजना के अलावा महिला वर्ग के लिए कोई खास बड़े एलान नहीं किए गए हैं। सरकार ने बजट में एससी–एसटी वर्ग की पहली बार उद्यमी बनने वाली महिलाओं के लिए नई योजना शुरू की गई है, जिसके तहत अगले पांच वर्षों में महिला उद्यमियों को दो करोड़ रुपये तक का टर्म लोन उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 स्कीम के तहत आठ करोड़ गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं और लड़कियों को पोषण देने की बात कही गई है। पीआईबी के आंकड़ों के अनुसार, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी की दर 41ः है, जो वैश्विक औसत से कम है। इसे देखते हुए सरकार बजट 2025 में महिला सशक्तिकरण पर जोर दे रही है। आंकड़ों के अनुसार, देश में कुल 252 करोड़ बैंक अकाउंट हैं, जिनमें से 36.4 प्रतिशत यानी करीब 91 करोड़ खाते महिलाओं के हैं।

बजट में एमएसएमई सेक्टर के लिए भी किए गए हैं अहम एलान

वित्त मंत्री ने 2025–26 के लिए केंद्रीय बजट पेश करते हुए यह भी कहा कि एसएमई और बड़े उद्योगों के लिए एक विनिर्माण मिशन स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा सरकार श्रम–प्रधान क्षेत्रों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सुविधाजनक उपाय करेगी। उन्होंने कहा कि ऋण गारंटी 'कवर' को दोगुना करके 20 करोड़ रुपये किया जाएगा तथा गारंटी शुल्क को घटाकर एक प्रतिशत किया जाएगा। वित्त मंत्री ने बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान की स्थापना करने की घोषणा भी की।

संक्षिप्त

यूक्रेन के एक और गांव पर कब्जा, हमारी सेना पोक्रोव्स्क के और नजदीक पहुंची : रूस

कीव, एजेंसी। रूस ने दावा किया कि उसने पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में एक और गांव पर कब्जा कर लिया है तथा लगभग तीन साल के युद्ध के बाद वह महत्वपूर्ण यूक्रेनी साजो–सामान केंद्र पोक्रोव्स्क के और नजदीक पहुंच गया है। हालांकि, रूस के दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है कि उसकी सेना ने नोवोवासिलिव्का पर कब्ज़ा कर लिया है।

यूक्रेनी अधिकारियों ने भी तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। रूसी सेना महीनों से पोक्रोव्स्क और पास के चासिव यार जैसे प्रमुख दोनेत्स्क गढ़ों पर कब्जा करने की कोशिश कर रही हैं। खेत और जंगलों में अपना रास्ता बना रही हैं तथा छोटी ग्रामीण बस्तियों को अपने कब्जे में ले रही हैं। नोवोवासिलिव्का गांव पोक्रोव्स्क से लगभग 11 किलोमीटर (दक्षिण पश्चिम में स्थित है। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा है कि रूस पोक्रोव्स्क को घेरने के लिए एक बड़ा अभियान चला रहा है। पोक्रोव्स्क एक प्रमुख सड़क और रेल केंद्र है, जहां से अग्रिम क्षेत्रों के विस्तृत हिस्से को आपूर्ति प्रदान की जाती है। चासिव यार एक रणनीतिक पर्वतीय चोटी है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने शुक्रवार को कहा कि यूक्रेनी सैनिकों ने पिछले 24 घंटों में पोक्रोव्स्क की ओर रूसी सेना के 71 हमलों को नाकाम कर दिया है, जिसका मतलब है कि पूरे 1,000 किलोमीटर की अग्रिम रेखा पर रूस के लगभग आधे हमले पोक्रोव्स्क के आसपास हुए।

अशांत खैबर पख्तूनख्वा में पांच अलग–अलग अभियानों में 10 आतंकवादी मारे गए

पेशावर, एजेसी। पाकिस्तान की सेना ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे अशांत उत्तर–पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पांच अलग–अलग अभियानों में कम से कम 10 आतंकवादियों को मार गिराया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा 'इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा ने बताया कि जवानों ने खुफिया जानकारी के आधार पर एक अभियान में डेरा इस्माइल खान जिले के कुलाची में मुठभेड़ के बाद चार आतंकवादियों को मार गिराया। इसने बताया कि सुरक्षाबलों ने उत्तरी वजीरिस्तान जिले के दत्ता खेल, हसन खेल, गुलाम खान और मीर अली में चार अलग–अलग मुठभेड़ों में छह आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा ने कहा, "मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार और गोला–बारूद बरामद किया गया।ये आतंकवादी इन क्षेत्रों में सुरक्षाबलों के खिलाफ कई आतंकी गतिविधियों के साथ–साथ निर्दोष नागरिकों की हत्या में सक्रिय रूप से शामिल थे।" इसने बताया कि क्षेत्र में अन्य आतंकवादियों को मार गिराने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

कांगो के संघर्षग्रस्त गोमा शहर में भारतीयों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया : विदेश मंत्रालय

भारत ने शुक्रवार को कांगो में संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया और कहा कि वह मध्य अफ्रीकी देश के घटनाक्रम पर करीबी नजर रख रहा है। रवांडा समर्थित 'एम23' विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो शहर गोमा पर कब्जा कर लिया है और वे अपने नियंत्रण क्षेत्र का विस्तार करने की सोच रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि लगभग 1000 भारतीय नागरिक गोमा में रह रहे हैं और संघर्ष शुरू होने के बाद उनमें से ज्यादातर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। उन्होंने कहा, "हम कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में हो रहे घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहे हैं। हम बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंतित हैं।" उन्होंने कहा, "हम संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान करते हैं।" जायसवाल ने कहा कि कांगो की राजधानी किंशासा स्थित भारतीय दूतावास ने गोमा क्षेत्र में रहने वाले भारतीयों के लिए परामर्श जारी किया है। उन्होंने कहा, "लगभग एक हजार भारतीय नागरिक गोमा में रह रहे थे लेकिन संघर्ष शुरू होने के बाद से उनमें से ज्यादातर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं।" उन्होंने कहा, "दूतावास समुदाय की भलाई और सुरक्षा के लिए नियमित रूप से उनके संपर्क में रहता है।

नेपाल : अश्वनलाइन धोखाधड़ी के आरोप में दो भारतीय समेत सात लोग गिरफ्तार

अवैध क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन और ऑनलाइन घोटाले में शामिल होने के आरोप में शुक्रवार को दो भारतीय नागरिकों सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। नेपाल पुलिस के समाचार बुलेटिन में यह जानकारी दी गयी। बुलेटिन के अनुसार, नेपाल पुलिस के केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीआईबी) ने बिहार के रहने वाले रोशन कुमार (27) और मुन्ना कुमार (36) तथा पांच अन्य नेपाली नागरिकों को लोगों के बैंक खातों और डिजिटल वॉलेट तक अवैध पहुंचके जरिये धोखाधड़ी को अंजाम देने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार किये गये लोगों के कब्जे से दो कंप्यूटर, 13 मोबाइल फोन, विभिन्न लोगों को जारी किए गए 19 चेक और 550,000 रुपये नकद जब्त किए हैं। सीआईबी के प्रवक्ता सुधीर राज शाही ने बताया कि सभी सातों पर लोगों को धोखा देने और अवैध क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन में शामिल होने के लिए संगठित तरीके से विभिन्न व्यक्तियों को जुटाने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि उन्होंने फेसबुक, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर लुभावनेविज्ञापनों के जरिए लोगों को रोजगार देने और घर से काम कर पैसे कमाने का लालच देकर लुभाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

टैक्स लगा कर तो देखो, करारा जवाब मिलेगा...जस्टिन ट्रूडो अब ट्रंप से भिड़ने के लिए तैयार नजर आ रहे हैं

कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि अगर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी के अनुसार 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला करता है तो उनके देश की प्रतिक्रिया जबरदस्त लेकिन उचित होगी। जस्टिन ट्रूडो ने एक्स पर पोस्ट किया कि कोई भी सीमा के दोनों ओर कनाडाई वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ देखना नहीं चाहता है। मैं आज हमारी कनाडा–यूएस. परिषद से मिला। हम इन टैरिफों को रोकने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन अगर संयुक्त राज्य अमेरिका आगे बढ़ता है, तो कनाडा एक सशक्त और तत्काल प्रतिक्रिया के साथ तैयार है। डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार से ही कनाडा और मैक्सिको पर टैरिफ

लगाने की धमकी दी है। जूटिन ट्रूडो ने कनाडा–अमेरिका संबंधों पर अपनी सलाहकार परिषद के साथ बैठक से पहले संवाददाताओं से कहा कि अगर राष्ट्रपति कनाडा के खिलाफ कोई टैरिफ लागू करने का विकल्प चुनते हैं, तो हम एक उद्देश्यपूर्ण, सशक्त लेकिन उचित, तत्काल प्रतिक्रिया के साथ तैयार हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी धमकियों को दोहराते हुए कहा कि टैरिफ आ रहे थे और उन्हें अभी तक यह तय नहीं करना है कि कनाडाई तेल उन टैरिफ के दायरे में आएगा या नहीं। ट्रूडो ने उल्लेख किया कि कनाडा के साथ–साथ टैरिफ अमेरिकी अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचाएगा और दो देशों की सामूहिक सुरक्षा को कमजोर करेगा। ट्रूडो ने कहा कि कनाडा अपना पक्ष रखता रहेगा कि कनाडा के साथ व्यापार संयुक्त राज्य अमेरिका की दीर्घकालिक समृद्धि और सुरक्षा के लिए अच्छा है, उन्होंने कनाडा के इस्पात और एल्यूमीनियम, महत्वपूर्ण खनिजों और स्वच्छ ऊर्जा के साथ–साथ इसके षस्थिर लोकतांत्रिक संस्थानों को भी साझा किया। मूल्य और दुनिया में सबसे अच्छे कर्मचारी। अगर कनाडा के खिलाफ टैरिफ लागू किया जाता है, तो हम जवाब देंगे। हम तब तक नहीं झुकेंगे जब तक टैरिफ हटा नहीं दिए जाते और निश्चित रूप से, सब कुछ मेज पर नहीं हो जाता। व्हाइट हाउस ने कहा कि कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत तथा चीन से आयात होने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत का शुल्क (टैरिफ) शनिवार से लागू होंगे। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि क्या इन उपायों में कोई छूट होगी क्योंकि इन टैरिफ के परिणामस्वरूप अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए सामान काफी महंगे हो सकते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में इन टैरिफ की घोषणा की थी।

श्रीलंका ने कारों के आयात से हटाया प्रतिबंध, आर्थिक हालात सुधारने के लिए राष्ट्रपति का बड़ा फैसला

कोलंबो। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका ने अब कारों के आयात से प्रतिबंध हटा लिया है। पिछले सप्ताह श्रीलंका ने ट्रकों, बसों और डबल कैब के आयात की अनुमति दी थी। शुक्रवार को राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने एक विशेष राजपत्र अधिसूचना जारी करके वाहन आयात पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया। इसके बाद कोरोना प्रकोप के साथ 2020 की शुरुआत में लगाए गए वाहन आयात पर प्रतिबंध पूरी तरह से समाप्त हो गया है। बताया जाता कि वाहनों के आयात शुल्क पर 50 प्रतिशत का सरचार्ज लगेगा। इससे कीमतें बढ़ने की उम्मीद है। राष्ट्रपति दिसानायके ने पहले घोषणा की थी कि 1.2 बिलियन

अमेरिकी डॉलर वाहन आयात के लिए आरक्षित किए जाएंगे।

2022 में पहली बार डिफॉल्ट हुआ था द्वीप राष्ट्र

श्रीलंका ने 2022 में पहली बार आधिकारिक तौर पर ऋण चुकाने में असमर्थता जताई थी। इसके बाद देश में आर्थिक संकट पैदा हुआ। भोजन, ईंधन और गैस की किल्लत हो गई थी। लोग सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करने लगे थे। इन विरोध प्रदर्शनों के कारण तब के राष्ट्रपति गोटाबया राजपक्षे को देश छोड़ना पड़ा था। इसके बाद रानिल विक्रमसिंघ ने राष्ट्रपति का पद संभाला और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मदद हासिल करने के लिए बातचीत शुरू की। मार्च 2023 में श्रीलंका को बेलआउट पैकेज मिला।

आईएमएफ से समझौता और आर्थिक सुधार

श्रीलंका ने आईएमएफ से 2.9 अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल किया था। आईएमएफ ने हाल ही में तीसरी बार समीक्षा की, जिसमें श्रीलंका सफल रहा। इसके अलावा श्रीलंका ने 14.2 अरब डॉलर का ऋण पुनर्गठन समझौता भी किया, जो आईएमएफ की शर्तों को पूरा करने के लिए जरूरी था। अब श्रीलंका को आईएमएफ की शर्तों का पालन करना है ताकि अर्थव्यवस्था में 2022 जैसी दूसरी गिरावट से बचा जा सके। उसे विदेशी मुद्रा भंडार को बनाए रखना और बढ़ाना होगा। प्रतिबंध हटने के बाद श्रीलंका को कई फायदे होंगे।

अफगानिस्तान के एकमात्र आलीशान होटल पर भी तालिबान का कब्जा

तालिबान ने काबुल में स्थित देश के एकमात्र आलीशान होटल पर भी कब्जा कर लिया है। 'द सेरेना होटल' ने शुक्रवार को कहा कि वह एक फरवरी से होटल का संचालन बंद कर देगा, जिसके बाद 'होटल स्टेट ओन्ड कॉर्पोरेशन' उसे अपने नियंत्रण में लेगा। 'होटल स्टेट ओन्ड कॉर्पोरेशन' वित्त मंत्रालय के तहत आता है। वित्त मंत्रालय ने तत्काल इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और न तो सेरेना और न ही सरकार ने होटल का स्वामित्व बदले जाने के कारणों पर कोई स्पष्टीकरण दिया है। तालिबान ने 2008 और फिर 2014 में सेरेना पर हमला किया था। कार्यवाहक गृह मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी ने 2008 में हुए हमले की योजना बनाने की बात स्वीकार की थी, जिसमें अमेरिकी नागरिक थॉर डेविड हेसला समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी।

फिलाडेल्फिया में छह लोगों को ले जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त, कई घरों में आग लगी

अमेरिका के फिलाडेल्फिया में शुक्रवार को एक विमान उड़ान भरने के 30 सेकंड बाद ही एक घनी आबादी वाले इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे कई घरों में आग लग गई। यह एक 'एयर एंबुलेंस' थी जिसमें एक शिशु रोगी और पांच अन्य लोग सवार थे। विमान हादसा पूर्वोत्तर फिलाडेल्फिया हवाई अड्डे से 4.8 किलोमीटर से भी कम दूरी पर रूजवेल्ट मॉल के पास एक व्यस्त चौराहे पर हुआ। 'लियरजेट 55' विमान ने शाम छह बजकर छह मिनट पर हवाई अड्डे से उड़ान भरी और 1,600 फुट की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद इसका राडार से संपर्क टूट गया। विमान की जानकारी देने वाली वेबसाइट 'फ्लाइट अवेयर' के अनुसार, यह मिसौरी के शहर स्प्रिंगफील्ड के लिए रवाना हुआ था। मेयर चेरेल पार्कर ने कहा कि हताहतों के बारे में तत्काल जानकारी नहीं मिल पाई है लेकिन कई घरों और वाहनों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, "इसकी अभी जांच की जा रही है।" वहीं गवर्नर जोश शापिरो ने बताया कि "पूर्वोत्तर फिलाडेल्फिया में हुई विमान दुर्घटना के बाद बचाव कार्य के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।" संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि 'नेशनल ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड' (एनटीएसबी) इसकी जांच करेगा। एनटीएसबी ने बताया कि वह दुर्घटना के बारे में जानकारी जुटा रहा है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

दक्षिणी गाजा में हमास ने रेड क्रॉस को सौंपे दो बंधक, मार्च तक चलेगा युद्धविराम का पहला चरण

इस्राइल के साथ युद्धविराम समझौते के तहत हमास ने दक्षिणी गाजा पट्टी में दो बंधकों को रेड क्रॉस को सौंप दिया। इस साल की शुरुआत में 19 जनवरी से शुरू हुए इस युद्ध विराम का उद्देश्य इस्राइल और हमास के बीच घातक और विनाशकारी संघर्ष को समाप्त करना है। बता दें कि इस्राइल और हमास के बीच

युद्धविराम का पहला चरण मार्च की शुरुआत तक चलेगा, जिसमें हमास इस्राइल के 33 बंधकों को रिहा करेगा। इसके बदले में इस्राइल करीब दो हजार फलस्तीनी कैदियों को रिहा करने के लिए तैयार हुआ है। हमास ने अमेरिकी इस्राइली बंधक कीथ सीगल को रेड क्रॉस को सौंप दिया। वे इस्राइल के साथ युद्धविराम समझौते के तहत शनिवार को रिहा किए जाने वाले तीसरे बंधक हैं। इससे पहले, आतंकवादियों ने दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस शहर में 35 वर्षीय यार्डन बिबास और 54 वर्षीय फ्रांसीसी–इजरायली ओफर काल्डेरोन को रेड क्रॉस को सौंप दिया था।

हमास और इस्राइल के बीच युद्धविराम समझौता

इस युद्धविराम के दौरान पहले तीन बंधकों को रिहा किया गया था, जिसके बदले में इस्राइल की तरफ से पकड़े गए 90 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया गया था। इसके बाद हमास ने आठ बंधकों को रिहा किया, जिसमें तीन इस्राइली और पांच थाईलैंड के नागरिक शामिल हैं। बदले में इस्राइल ने भी 110 फलस्तीनी कैदियों को रिहा कर दिया।

15 महीने तक चला युद्ध

सात अक्तूबर 2023 को हमास ने इस्राइल पर हमला किया था। इस हमले में करीब 1,200 इस्राइली नागरिक मारे गए थे। हमास ने करीब ढाई सौ लोगों को बंधक बना लिया था। इसके बाद इन्हें गाजा ले जाया गया। इसके जवाब में इस्राइल ने गाजा पट्टी पर हमले शुरू किए। इस्राइली हमलों में 46,000 से ज्यादा नागरिक मारे जा चुके हैं। इस युद्ध के कारण गाजा पट्टी की 90 फीसदी आबादी को विस्थापन का सामना करना पड़ा है। वहीं, लोगों के सामने भुखमरी का संकट भी खड़ा हो गया। इस्राइल द्वारा रिहा किए जाने वाले कैदियों में से कई ऐसे हैं, जो आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। इस्राइल के करीब 90 बंधक अभी भी हमास की कैद में हैं। हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि इनमें से एक तिहाई की मौत हो चुकी है।

कनाडा, मैक्सिको और चीन पर 'टैरिफ' शनिवार से प्रभावी होंगे : व्हाइट हाउस

व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कहा कि कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत तथा चीन से आयात होने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत का शुल्क (टैरिफ) शनिवार से लागू होंगे। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि क्या इन उपायों में कोई छूट होगी क्योंकि इन टैरिफ के परिणामस्वरूप अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए सामान काफी महंगे हो सकते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में इन टैरिफ की घोषणा की थी। रिपब्लिकन नेता ट्रंप अवैध आव्रजन और 'फेंटेनाइल' के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रसायनों की तस्करी को रोकने के लिए देशों से अधिक सहयोग सुनिश्चित करने के मद्देनजर टैरिफ लगाने का दावा कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा है कि इसका मकसद घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने संवाददाताओं से कहा, "कल (शनिवार) से ये शुल्क लागू हो होंगे। ये वादे राष्ट्रपति द्वारा किए गए थे और अब इन्हें पूरा किया जा रहा है।" ट्रंप ने कहा था कि वह कनाडा और मैक्सिको से तेल आयात के लिए छूट जारी रखने पर विचार कर रहे हैं, लेकिन लेविट ने कहा कि उनके पास राष्ट्रपति के किसी भी संभावित कटौती के फैसले के बारे में साझा करने के लिए कोई जानकारी नहीं है। इस बीच, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शुक्रवार को कहा कि यदि ।

रूस ने भारी नुकसान के बाद कुर्स्क मोर्चे से हटाए उत्तर कोरियाई सैनिक, यूक्रेन का दावा

कीव। यूक्रेन ने बीते दिनों आरोप लगाए थे कि रूस की तरफ से उत्तर कोरिया के सैनिक मोर्चे पर लड़ रहे हैं। अब यूक्रेनी सेना ने दावा किया है कि कुर्स्क क्षेत्र में मोर्चे पर लड़ रहे उत्तर कोरियाई सैनिकों को रूस ने हटा लिया है। यूक्रेनी सेना ने दावा किया है कि भारी नुकसान के चलते उत्तर कोरियाई सैनिकों को मोर्चे से हटा लिया गया है। पश्चिमी, दक्षिण कोरियाई और यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों का कहना है कि उत्तर कोरिया ने रूस की सेना का समर्थन करने के लिए अपने 10,000 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है।

कुर्स्क में यूक्रेन ने रूसी इलाके पर किया हुआ है कब्जा

उत्तर कोरिया ने कभी भी आधिकारिक तौर पर अपने सैनिकों की रूस में तैनाती की बात स्वीकार नहीं की। यूक्रेन के अनुसार, ये तैनाती कुर्स्क क्षेत्र हुई, जहां बड़ी जवाबी कार्रवाई की थी। यूक्रेन बाद कुर्स्क में रूस की दर्जनों लिया। यह पहली बार है जब विदेशी सेना रूसी क्षेत्र में घुसी यूक्रेन का रूसी क्षेत्र के बड़े हिस्से रहा है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति किसी भावी बातचीत में कुर्स्क को

यूक्रेन ने उत्तर कोरियाई सैनिकों

यूक्रेनी सुरक्षाबलों के प्रवक्ता ने हमने उत्तर कोरियाई लोगों के

यूक्रेन ने अगस्त में सीमा पार से का दावा है कि उसने हमले के सीमा बस्तियों पर कब्जा कर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से कोई थी। करीब छह महीने बाद भी पर कब्ज़ा बरकरार है। माना जा वोलोदिमिर जेलेंस्की, रूस के साथ लेकर सौदेबाजी कर सकते हैं।

के फुटेज भी जारी किए थे

बताया कि 'पिछले तीन हफ़्तों में, साथ कोई गतिविधि या सैन्य झड़प नहीं देखी है। हमारा मानना है कि भारी नुकसान के कारण उन्हें वापस बुला लिया गया है।' यूक्रेन ने पहले कहा था कि उसने कुर्स्क क्षेत्र में तैनात कई उत्तर कोरियाई सैनिकों को पकड़ लिया है या मार दिया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कुछ फुटेज भी पेश किए, जिनमें उन्होंने कहा है कि कुर्स्क मोर्चे पर उनकी सेना द्वारा पकड़े गए उत्तर कोरियाई सैनिकों की जानकारी दी। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा है कि घायल उत्तर कोरियाई सैनिक जिंदा पकड़े जाने के बजाय ग्रेनेड से खुद को उड़ा रहे थे।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पिटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।